RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 117 , बुधवार, 10 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

रक्सौल बॉर्डर पर अवैध प्रवेश की कोशिश नाकाम स्विट्जरलैंड की महिला व म्यांमार का युवक... 03

सत्यवीर सुमन ने संभाला अररेाज प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार 04

पिंक लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में वामिका गब्बी की तस्वीरों से नजरें... 07

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में आपस में जुड़े जोजिला टनल के दोनों छोर

- यह दुनिया की सबसे लंबी सिंगल ट्यूब टनल, काम जारी

लद्दाख (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल की खुदाई मंगलवार को पूरी हो गई। टनल के बीच 2.5 मीटर के ब्लॉक को ब्लास्ट करके हटा दिया गया। इसके साथ ही टनल के दोनों छोर आपस में जुड़ गए। 13.15 किमी लंबाई वाली यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क टनल है। जिसमें एक ही सुरंग से दोनों डायरेक्शन में गाड़ियां चल सकेंगी। यह टनल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की ऑल वैदर कनेक्टिविटी बनाए रखेगी। सुरंग

को फरवरी 2028 तक चालू कर दिया जाएगा। यह सुरंग मध्य कश्मीर के बालटाल (गांदरबल) को लद्दाख के द्रास जिले के मिनीमार्ग से जोड़ेगी। इसके साथ लगभग 18 किमी की एप्रोच रोड भी बनाई जा रही है। पहले इस हिस्से को पार करने में 1 से 1.5 घंटे लगते थे, वहीं टनल शुरू होने के बाद यह सफर करीब 15 मिनट में पूरा हो सकेगा। ब्लास्ट के लिए पहुंचे केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- यह आधुनिक टनल है, इसे पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से तैयार किया जा रहा है। करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही इस टनल की लागत 6,500 करोड़ है।

ममता ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा में चीफ व्हिप बनाया

- स्पीकर को लेटर लिखा, एक दिन पहले 20 बागी सांसदों ने काकोली को व्हिप चुना था

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी में टूट के बीच ममता बनर्जी ने मंगलवार को सांसद कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया

जाए। टीएमसी के लोकसभा में 28 सांसदों में से 20 ने एक दिन पहले बगावत के बाद ममता का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इन लोगों ने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। खुद काकोली घोष ने बागी सांसदों के साइन वाला लेटर लोकसभा स्पीकर को भेजा था। इसमें अलग सिटिंग मांगी थी।

काकोली घोष ने कहा था- मैं ही चीफ व्हिप रहूंगी

काकोली ने सोमवार को कहा था कि वे अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। काकोली घोष ने कहा- मैं 1986 से ममता बनर्जी के साथ हूं। 2005 में मुझे पार्षद तक का चुनाव लड़वाया गया। मैं तो लड़ते-लड़ते यहां आई हूं। मेरा सिर कटेगा लेकिन झुकेगा नहीं। मैंने बहुत सह लिया।

झमाझम बारिश के आसार, आगे बढ़ा मानसून

- अब तक 13 राज्य कवर किए, आज मुंबई पहुंचेगा
- यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून 5 दिन में 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है। मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं। इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री कर ली। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2-3 दिनों में यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के बाकी इलाकों में आगे बढ़ सकता है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी अगले कुछ दिनों में मानसून पहुंच सकता है।

राजस्थान का श्रीगंगानगर सबसे गर्म पारा 45 डिग्री

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्मी फिर तेज हो गई है। आईएमडी ने आज 8

राज्यों में लू का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान एक बार फिर 45 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वहीं, दिल्ली में भी सोमवार को अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री दर्ज किया गया।

13000 करोड़ के निकोबार एयरपोर्ट को मिली मंजूरी

- धरा रह गया राहुल गांधी का विरोध, नहीं मानी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के तहत एक बड़ा फैसला लेते हुए 13000 करोड़ रुपये के नए ग्रीनफील्ड सिविल-मिलिट्री एयरपोर्ट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, भारतीय नौसेना के मौजूदा आईएनएस बाज एयर स्टेशन के रनवे विस्तार के प्लान को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस 81,000 करोड़ रुपये के मेगा प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध किया था। यह नया डुअल-यूज (नागरिक और सैन्य) एयरपोर्ट गैलाथिया बे के पास चिनगेन में बनाया जाएगा। इसकी रणनीतिक अहमियत काफी ज्यादा है।

आईएनएस बाज का विस्तार किया गया ड्रॉप

कैंपबेल बे स्थित आईएनएस बाज के 4,500 फीट लंबे रनवे को 10,000 फीट तक बढ़ाने में भौगोलिक सीमाएं और नेविगेशनल चुनौतियां आ रही थीं। इसके लिए भारी-भरकम सपोर्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की भी जरूरत थी। अधिकारियों ने अध्ययन में पाया कि नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की तुलना में, मौजूदा रनवे के विस्तार से आदिवासी बस्तियों, जंगलों और वन्यजीवों के आवास पर कहीं ज्यादा गहरा और विपरीत प्रभाव पड़ता।

81 हजार करोड़ रुपये का है पूरा ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

यह नया एयरपोर्ट ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना के तहत प्रस्तावित चार प्रमुख बुनियादी ढांचों में से एक है। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 81,000 करोड़ रुपये है। एयरपोर्ट के अलावा इस मेगा प्लान में एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर और एक टाउनशिप का विकास शामिल है।

भारत ने पहली बार तैनात किए 12 वॉरहेड परमाणु बम

- 2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए

पाकिस्तान से 20 ज्यादा, अग्नि सीरीज की मिसाइलें भी सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता।

दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश

2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं। 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2 फीसदी रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की संयुक्त हिस्सेदारी 35 फीसदी रही। दोनों देश बड़े स्तर पर काम कर रहे।

टीएमसी विधायकों की शिकायत पर ममता के घर पहुंची सीआईडी

- पुलिस आने के बाद एंट्री मिली, नेता विपक्ष के प्रस्ताव पर फर्जी हस्ताक्षर का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी में चल रहे विवाद के बीच मंगलवार को सीआईडी की टीम ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पहुंची। इसी परिसर में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है। शुरुआत में टीम को अंदर जाने से रोक दिया गया, लेकिन बाद में अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी में अधिकारियों ने परिसर में प्रवेश किया। टीएमसी के पूर्व सांसद सुभाशिश चक्रवर्ती ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में तलाशी की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि अभिषेक के आने के बाद एजेंसी जांच कर सकती है। दरअसल, पार्टी के कुछ बागी विधायकों ने स्पीकर को शिकायत

भेजी थी। उनका आरोप है कि शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने के प्रस्ताव पर गलत किया गया है।

- **अभिषेक के जवाब के आधार पर पहुंची टीम-** सीआईडी अधिकारियों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने एजेंसी के नोटिस के जवाब में बताया था कि विधायकों के हस्ताक्षर 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित टीएमसी के केंद्रीय कार्यालय में जुटाए गए थे। यह कार्यालय ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास परिसर में ही है। इसी जानकारी के आधार पर जांच टीम वहां पहुंची। इससे पहले सोमवार को सीआईडी की टीम अभिषेक बनर्जी के घर भी पहुची थी। सीआईडी सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक ने जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा था। उन्होंने एजेंसी को बताया था कि वह पहले से तय अपने राजनीतिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं।

अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने के जांच शुरू हुई

सीआईडी के पहुंचने के बाद कालीघाट थाने के सीनियर अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्हें सुरक्षा कर्मियों से बातचीत की। इसके बाद जांच टीम परिसर के अंदर घुसी। सीआईडी अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच और सत्यापन की प्रोसेस शुरू की। इसी मामले में सीआईडी की एक अन्य टीम ने अभिषेक बनर्जी के कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय का भी दौरा किया। ममता बनर्जी ने पार्टी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी को टीएमसी विधायक दल का नेता मानने व स्पीकर के फैसले के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई है।

मोदी कैबिनेट में बदले जा सकते हैं 12 मंत्री

राज्यसभा चुनाव के बाद बड़े फेरबदल के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही एनडीए सरकार में कैबिनेट फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। अटकलें हैं कि इस बार कई राज्य मंत्रियों को बदला जा सकता है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि किन मंत्रालयों में बड़े स्तर पर बदलाव होंगे, लेकिन कहा जा रहा है कि इसकी संख्या एक दर्जन मंत्रियों तक जा सकती है। खास बात है कि 18 जून को राज्यसभा चुनाव हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी कैबिनेट को लेकर बड़े फैसले ले सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कम से कम 2 कैबिनेट मंत्री और 3 राज्य मंत्रियों परिषद से बाहर हो सकते हैं।

कांग्रेस को झटका, मीनाक्षी का नामांकन निरस्त

- भाजपा की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफीसर ने सुनाया फैसला

भोपाल (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में एमपी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। रिटर्निंग ऑफिसर ने मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त करने का फैसला सुनाया। भाजपा ने उनके नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने शपथ पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित मामले की जानकारी छिपाई है। भाजपा की ओर से एडवोकेट संकेत गुप्ता ने रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष शिकायत पेश करते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार उम्मीदवार को अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी देना अनिवार्य है।

जिसने राम का द्रोह किया, वह मिट गया

- सीएम योगी बोले-मारीच और सुबाहु लैंड जिहादी थे
- कहा-राम लव जिहाद रोकने के लिए आदर्श उदाहरण

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी मंगलवार को लखनऊ में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की श्रीरामकथा में पहुंचे। उन्होंने कहा- प्रभु श्रीराम ने नारी गरिमा के लिए काम किया। यह आज के समय में लव जिहाद रोकने के लिए आदर्श उदाहरण है। शायद ही कोई ऐसा भारतीय हो, जिसके डीएनए में भारत हो और वह श्रीराम को न मानता हो। सीएम ने कहा- याद करिए रावण का राज्य था। खर और दूषण पूरे दंडकारण्य में कब्जा जमाए थे। ताड़का बक्सर तक आ गई थी। ये सब मिलकर पूरा उजाड़ मचाए हुए थे। जब भी नकारात्मक ताकतें आती हैं तो उजाड़ ही करती हैं। उन्होंने कहा-

खर-दूषण और मारीच-सुबाहु क्या कर रहे थे। वो भी रावण के साथ लैंड जिहाद के अभियान में जुड़े हुए थे। साधु-संतों को उनकी जगह से हटाकर लैंड जिहाद करते थे। रामकथा केवल सुनने का विषय नहीं है। इसे सुनकर समझना होगा। योगी ने कहा- नकारात्मक ताकतें हर कालखंड में आएंगी, लेकिन सज्जन शक्ति को इनका डटकर मुकाबला करना होगा। राम जब पहली बार घर से निकले तो उन्हें सबसे पहले ताड़का मिली। वह रावण से प्रेरित थी। गलत को गलत ही मिलते हैं। जिसने भी राम को अपने जीवन का आदर्श बनाया, उसका कल्याण हुआ। जिसने राम का द्रोह किया, उसको कोई जगह नहीं मिली।

अगर आस्था नहीं, तो यह धरती धर्मशाला नहीं

सीएम ने कहा- जो भारत के प्रति निष्ठा नहीं रखते, जिनकी भारत के प्रति आस्था नहीं है, भारत के संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उन लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। इस संकल्प के साथ हम सब आगे बढ़ेंगे। संत शक्ति सबको एकजुट कर आगे ले जाना चाहती है। उन्होंने कहा- कोई धर्म के नाम पर, कोई जाति के नाम पर बांटने का प्रयास करेगा, लेकिन हम सबको कथा के उस मर्म को समझना पड़ेगा, जो यहां पर व्यासपीठ से जगद्गुरु ने समझाने का प्रयास किया। हमारे जो आदर्श हैं, उनके अनुसार जीवन जीने का प्रयास करें। हम शिव और राम की पूजा करते हैं तो अपना जीवन उनके आदर्श पर जिएं।

संक्षिप्त समाचार

जन्मदिन पार्टी में हमला और लूटपाट का फरार आरोपी गिरफ्तार, वैशाली के महुआ में मारपीट

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में एक जन्मदिन पार्टी के दौरान हुए हमले और लूटपाट के मामले में फरार आरोपी बिंदा राय को गिरफ्तार कर लिया गया है। हरपुर ओस्टी गांव निवासी बिंदा राय पर मारपीट, लूट और वाहन क्षतिग्रस्त करने का आरोप है। यह घटना 6 जनवरी को हुई थी। मिर्जानगर निवासी कौशल कुमार अमोद राय अपने गांव के शिव मंदिर के पास दोस्तों के साथ जन्मदिन मना रहे थे। इसी दौरान, उनके गांव के प्रेम कुमार, विपिन कुमार (दोनों बिंदा राय के बेटे) और बिंदा राय सहित 8-10 अज्ञात लोग वहां पहुंचे और कौशल कुमार को गालियां देना शुरू कर दिया। जब कौशल ने गाली देने से मना किया, तो प्रेम कुमार ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। कौशल ने भागने की कोशिश की, लेकिन विपिन कुमार, बिंदा राय और अन्य लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने धारदार हथियारों और लाठी-डंडों

से कौशल के साथ मारपीट की, जिससे वे घायल हो गए। इसी दौरान, प्रेम कुमार ने उनकी जेब से 5000 रुपए और एक सोने की चेन छीन ली। कौशल के दोस्तों ने किसी तरह उनकी जान बचाई। हमलावर जाते-जाते धमकी देते हुए फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर पुलिस में शिकायत की गई तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। घायल अवस्था में कौशल को महुआ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया गया। होश आने पर उन्हें पता चला कि हमलावरों ने उनकी स्विफ्ट डिजायर कार के शीशे तोड़ दिए थे और पूरी बॉडी को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

ज्वेलर पर झूठी रंगदारी का आरोप, सोना वापस करने पर ऑनलाइन पेमेंट को बनाया रंगदारी का सबूत

हाजीपुर। वैशाली के महुआ सिंहराय में रंगदारी और झूठे मुकदमे को लेकर विवाद गहरा गया है। एक ज्वेलरी दुकानदार पर आरोप है कि उसने सोने की चेन वापस करने के ऑनलाइन भुगतान को रंगदारी का सबूत बताकर एक व्यक्ति के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, आरोपी व्यक्ति ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। यह मामला तब सामने आया जब सिंहराय निवासी गोपाल साह ने तीन व्यक्तियों - अरुण कुमार सिंह, शशि भूषण कुमार उर्फ अप्पू और मणिभूषण राठौर पर रंगदारी वसूलने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। गोपाल साह के अनुसार, इन लोगों ने उनके मकान के आगे शेड और सड़क बनाने

के एवज में पहले 50,000 रुपये वसूले और अब 1 लाख रुपये की और मांग कर रहे हैं। गोपाल साह ने आरोप लगाया कि मणिभूषण राठौर ने 17 अक्टूबर 2025 को उनसे 50,000 रुपये की रंगदारी वसूली थी। यह राशि दो किस्तों में, 30,000 रुपये और 20,000 रुपये, BHIM UPI के माध्यम से ली गई थी। हालांकि, इस मामले में नया मोड़ तब आया जब अरुण कुमार सिंह ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि गोपाल साह एक ज्वेलरी दुकानदार हैं। उनके बेटे ने सात महीने पहले गोपाल साह की दुकान से 1 लाख 15 हजार रुपये की सोने की चेन खरीदी थी, जो कुछ दिनों बाद काली पड़ने लगी। खराब होने के कारण उनके बेटे ने चेन वापस कर दी थी। अरुण कुमार सिंह के मुताबिक, चेन वापस करने पर गोपाल साह ने 65,000 रुपए नगद लौटाए थे। शेष 50,000 रुपये दो बार में (20,000 और 30,000 रुपये) फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन वापस किए गए थे। अरुण कुमार सिंह का आरोप है कि गोपाल साह ने इसी ऑनलाइन भुगतान के सबूत को रंगदारी वसूली का प्रमाण बताकर उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया है। अरुण कुमार सिंह ने आगे बताया कि वे और ग्रामीण एक निजी जमीन पर बन रही सड़क का विरोध कर रहे थे, जिसे दबंगों की मदद से बनवाया जा रहा था। इसी विरोध के चलते गोपाल साह ने उनके ऊपर रंगदारी मांगने का झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया।

जमीनी विवाद में दो भाई घायल, नवादा खुर्द में पिस्टल के बट और लाठी-डंडों से हमला

हाजीपुर। वैशाली के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत नवादा खुर्द में जमीनी विवाद को लेकर दो भाइयों पर हमला किया गया। बदमाशों ने उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल भाइयों में से एक, स्वर्गीय अशर्फी सिंह के पुत्र अंजय कुमार ने बताया कि गांव के विजय कुमार, दीप नारायण और उनके साथियों ने उन पर हमला किया। हमलावरों ने पिस्टल के बट और लाठी-डंडों का इस्तेमाल कर दोनों भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अंजय कुमार के अनुसार, विजय कुमार उन पर घर के पास की एक धुर जमीन अपने नाम लिखवाने का दबाव बना रहा

था। जब दोनों भाइयों ने इसका विरोध किया, तो सभी हमलावरों ने मिलकर उन पर मारपीट की। अंजय कुमार और उनके परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है और अवैध कारोबार में भी संलिप्त है। उनका यह भी कहना है कि आरोपी हमेशा 10-15 लोगों के साथ रहता है और बार-बार उन्हें जमीन अपने नाम लिखवाने के लिए धमकाता है। परिजनों के मुताबिक, जमीन न लिखने पर आरोपी मारपीट करता है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए दोनों भाइयों का इलाज सदर अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकान में घुस कर किसान की हत्या, दो बदमाशों ने दागी बुलेट, सीएम नीतीश कुमार ने किया था सम्मानित

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के बोचहा थाना क्षेत्र के सलहां गांव में आज दिनदहाड़े 'किसान हरेराम चौधरी उर्फ राजू चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने किराना दुकान में घुसकर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बाइक सवार दो अपराधी राजू चौधरी की किराना दुकान पर पहुंचे। दुकान में घुसते ही उन्होंने राजू चौधरी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग, परिजन और खेतों में

काम कर रहे मजदूर घटनास्थल पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल राजू चौधरी को तत्काल इलाज के लिए एसकेएमसीएच ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक राजू चौधरी कृषि क्षेत्र में अपनी विशेष खेती तकनीकों के लिए जाने जाते थे। कृषि विभाग ने उन्हें 'किसान श्री' सम्मान से सम्मानित किया गया था। उन्हें बेहतर कृषि काम के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों भी सम्मान मिला था। कृषि व्यवसाय के साथ-साथ वे एक किराना दुकान भी चलाते थे। घटना की सूचना मिलते ही बोचहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में लूटपाट या पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है, पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

120 की रफ्तार में पेड़ से टकराई कार, मां और बेटे की गई जान

एजेंसी, पटना

- देवघर के बाबाधाम में पूजा कर यूपी लौट रहा था परिवार, हादसे में 3 बच्चे समेत 8 घायल

पटना के बाढ़ में मंगलवार की सुबह सड़क हादसा हुआ। कार 120 की स्पीड में पेड़ से टकरा गई। हादसे में मां और बेटे की मौत हुई है, जबकि परिवार के 8 लोग घायल हैं। परिवार उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का है। ये लोग देवघर में बाबाधाम गए थे। वहां से वापस उत्तर प्रदेश लौट रहे थे। कार की स्पीड बहुत ज्यादा थी, इस कारण गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया और सड़क किनारे पेड़ से टक्कर हो गई। घटना बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर होटल महाविहार के पास की है।

मरने वाले और घायलः घायलों में उपेंद्र सिंह की पत्नी निक्की देवी, बेटे वीर (7) और पवन (5), सुभाष सिंह की पत्नी रुकमनी देवी, योगेंद्र सिंह की पत्नी रेणु देवी, मनोज सिंह की पत्नी संजना सिंह, विरेंद्र सिंह की बेटी पायल (7) शामिल हैं। इसके अलावा गयासुद्दीन के बेटे सिद्दिकी भी घायल हैं। जो ड्राइवर हैं। वहीं, मरने वालों में उपेंद्र सिंह और फूलमती देवी है, दोनों रिश्ते में मां और बेटे हैं।

घायलों को अस्पताल लेकर गई पुलिसः टक्कर की आवाज इतनी जोर की थी कि आसपास के स्थानीय लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को एक-एक कर बाहर निकाला। इस बीच किसी ने बख्तियारपुर पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। लोगों की भीड़ पहले से जुटी हुई थी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से निकाला। जिसके बाद पुलिस ने घायलों को बख्तियारपुर सीएचसी में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक इलाज हुआ और बेहतर इलाज के लिए घायलों को पटना रेफर कर दिया गया। मां-बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम में भेज दिया गया है।

घायलों को एनएमसीएच रेफर किया गया हैः थाना अध्यक्ष देवानंद शर्मा ने बताया कि फोरलेन पर महाविहार होटल के पास हादसा हुआ है। 2 की मौत हुई है। घायलों को एनएमसीएच रेफर किया गया है। दोनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेजा गया है। परिजन को सूचना दे दी गई है। ले लोग भी आ रहे हैं।

30 फीट गहरे मैनहोल में फंसे मजदूर, 1 की मौत

एजेंसी, पटना

- रेस्क्यू टीम ने ऑक्सीजन दिया, ढाई घंटे के बाद दोनों को निकाला, दूसरे का चल रहा इलाज

पटना में 30 फीट गहरे मैनहोल में साफ-सफाई के दौरान 2 मजदूर फंस गए। इनमें से एक की मौत हो गई है। अंदर गैस का रिसाव हो रहा था, इस कारण दोनों बेहोश हो गए थे। मजदूर ढाई घंटे तक अंदर ही फंसे रहे। उन्हें पहले ऊपर से ऑक्सीजन दिया गया, फिर रस्सी के सहारे उन्हें बाहर निकाला गया। पहले मौके पर डायल-112 की टीम पहुंची, फिर रेस्क्यू के लिए अग्निशमन की टीम भो भी सूचना दी गई। मजदूरों की पहचान रामजान अली (30) और सद्दाम हुसैन (20) के रूप में हुई है। मालदा के रहने वाले सद्दाम की मौत हो गई है, जबकि रामजान का इलाज चल रहा है। घटना श्री कृष्णा पुरी थाना क्षेत्र के AN कॉलेज पानी टंकी की है। ADFO इंद्रजीत कुमार ने बताया रात 12:46 बजे निदेशक सह राज्य अग्निशमन पदाधिकारी सुनील के नंबर पर मैसेज आया था। इसके बाद मेरे नेतृत्व में क्यूआरटी मौके पर पहुंची और दोनों व्यक्तियों को रेस्क्यू कर के बाहर निकाला गया।

इसके बाद दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भेज दिया गया। काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गहराई होने के चलते निकालने में परेशानी हो रही थी। रात का वक्त था। मजदूरों के अंदर फंसे होने की खबर के बाद आसपास के दुकानदार, दूसरे मजदूर और वहां से गुजर रहे राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पहले लोगों को लगा कि कोई मैनहोल में गिर गया है। इसलिए जो भी आता था पहचानने के ख्याल से वहां खड़ा हो जाता था। हालांकि स्थानीय थाने की पुलिस लगातार लोगों को समझा बुझाकर वहां से हटाती रही।

फूट-फूटकर रोने वाले शिवचंद्र का इस्तीफा मंजूर नहीं

एजेंसी, पटना

बिहार में MLC चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व विधायक शिवचंद्र राम ने सोमवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, RJD ने उनका इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा, 'देर रात उनसे बातचीत हुई है। हम जानते हैं वो पुराने सिपाही हैं। पार्टी ने उनके त्यागपत्र को अस्वीकार्य किया है।' इधर लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शिवचंद्र राम के समर्थन में उतर आए हैं। तेजप्रताप ने कहा कि शिवचंद्र राम जी का पार्टी पद से इस्तीफा देना बेहद दुख की बात है।

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों (एक उपचुनाव) पर होने वाले MLC चुनाव में सोमवार को महागठबंधन की ओर से RJD के सुनील सिंह ने पर्चा भरा। उन्होंने कहा, पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे निभाएंगे। कुछ भी हो जाए पार्टी का झंडा झुकने नहीं दूंगा।

इसके बाद बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और RJD के SC-ST प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवचंद्र राम की नाराजगी सामने आई। उन्होंने SC/ST प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कहा, पार्टी ने मुझे वादा किया था कि MLC बनाएंगे, लेकिन मेरे साथ वादाखिलाफी की गई है। रोते हुए उन्होंने कहा, "मैं 4 रात सो नहीं पाया, ऐसी जिंदगी भगवान किसी को ना दें।" शाम में शिवचंद्र राम की तबीयत बिगड़ गई। वो अस्पताल में भर्ती हैं।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक, कोर्ट में वकील बोले- गोली खान सर ने नहीं चलाई

एजेंसी, पटना

- रौशन आनंद की जमानत याचिका खारिज

फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआर ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था।

खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है। इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है।

जेल में बंद सिक्योरिटी गार्ड मामले में कोर्ट ने सबूत मांगेः सोमवार को इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सिक्योरिटी गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की जमानत पर भी सुनवाई हुई। उनके वकील अरविंद मउआर ने जज अनुराग वर्मा की अदालत में दलीलें पेश कीं। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पुलिस से मामले में सबूत मांगे। दोनों सुरक्षा गार्डों की जमानत याचिका पर 10 जून यानी कल कोर्ट फैसला सुना सकता है। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। दोनों गार्ड्स को 4 जून को गिरफ्तार किया गया था।

खान सर पर हत्या की कोशिश का केस दर्जः पुलिस ने खान सर के गार्ड्स के बयान पर उनके ऊपर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है। FIR में बताया गया है कि खान सर ने गार्ड्स से कहा था- तुम गोली चलाओ, बाकी मैं देख लूंगा। उधर, ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर पटना में सोमवार को छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला था। छात्रों ने रौशन आनंद के समर्थन में नारेबाजी और खान सर की गिरफ्तारी की मांग की थी। कुछ छात्र हाथों में पोस्टर लिए नजर आए। इनमें लिखा था- 'झूठे केस में हमारा जीवन मत बर्बाद करो', 'मैं निर्दोष हूं'।

खगड़िया, बेगूसराय में आंधी से सड़क पर चलना मुश्किल, मोतिहारी समेत 7 जिलों में तेज बारिश

एजेंसी, पटना

- आंधी से पेड़-पोल गिरे, 5 की मौत

बिहार के कुछ जिलों में मौसम ने करवट ली है। तेज धूप के बाद अचानक आंधी के साथ बारिश हुई है। बेतिया, मोतिहारी, बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया, भागलपुर और मुंगेर में तेज हवा के साथ बारिश हुई है। बेगूसराय में एक ऑटो के ऊपर पोल गिर गया। ड्राइवर बाल-बाल बचा। सीतामढ़ी में सोमवार की रात आंधी-बारिश के बाद पीपल का पेड़ एक कच्चे मकान पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 24 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। अगले 48 घंटे में राज्य में भारी बारिश का अलर्ट है। सोमवार को पटना समेत प्रदेश के 8 जिलों में पारा 41 डिग्री के पार चला गया। 43.4 डिग्री के साथ रोहतास सबसे गर्म जिला रहा। जबकि बक्सर में 42.7 डिग्री और कैमूर में 42.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

पेड़ गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौतः सीतामढ़ी में सोमवार देर रात आंधी बारिश के बाद एक घर पर पीपल का पेड़ गिर गया। घर के मलबे में दबने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुषी टोला वार्ड संख्या-01 की है। मृतकों की पहचान सिकंदर सहनी की पत्नी पूजा देवी (28), बेटा राजकुमार (7), बेटी शिवानी (5) और एक माह के बेटे लाइगर कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का दो साल का बेटा वीरभर्द कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

अगले कुछ दिनों का मौसमः 10 और 11 जून को अररिया, किशनगंज और सुपौल में भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 60Kmph की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। 12 और 13 जून को उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में आंधी-पानी की गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। वहीं. 13 जून के बाद पूरे बिहार में गरज-चमक के साथ तेज बारिश के आसार हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण बिहार में अगले दो दिनों तक गर्मी बनी रह सकती है, लेकिन 10 जून के बाद तापमान में धीरे-धीरे गिरावट शुरू होगी।

25 लाख के 150 खोए मोबाइल मिले, लोगों में खुशी

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान में खोए और स्नेचिंग किए गए मोबाइल फोन बरामद कर पीड़ितों को लौटाने का अभियान जारी है। पुलिस ने करीब 150 मोबाइल फोन रिकवर कर उनके धारकों को सौंपा है। SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया, ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस लगातार खोए हुए मोबाइल फोन की तलाश कर रही है। उन्हें बरामद कर उनके असली मालिकों तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि बरामद मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये है। एसएसपी ने कहा, आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। जिन लोगों के मोबाइल फोन खो गए हैं, उन्हें वापस दिलाने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है, ताकि बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए जा सकें। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों ने पटना पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे आम जनता के हित में किया गया सराहनीय कार्य बताया। लोगों ने कहा कि पुलिस की सक्रियता और तकनीकी जांच के कारण उन्हें अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिल सका, जिससे उनका पुलिस पर भरोसा और मजबूत हुआ है।

तेजस्वी बोले- सम्राट चौधरी चीफ नहीं चीप मिनिस्टर हैं

एजेंसी, पटना

लालू परिवार की सिक्योरिटी और बंगला विवाद को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सम्राट सरकार पर निशाना साधा। मंगलवार को दिल्ली से पटना लौटे तेजस्वी ने कहा, 'सम्राट चौधरी चीफ नहीं चीप मिनिस्टर हैं। इसलिए वो चीप राजनीति कर रहे हैं। मुझे कोई सुरक्षा की जरूरत नहीं है। सम्राट चौधरी घृणा की भावना से राजनीति कर रहे हैं। सरकारी खजाना खाली है। इसलिए ध्यान भटकाने के लिए सुरक्षा कम कर दी गई। ताकि इस पर चर्चा हो सके। राबड़ी देवी के स्टेटस में 2005 से कोई बदलाव नहीं हुआ। फिर बंगला क्यों खाली कराया जा रहा है।"

दरअसल, बिहार सरकार ने लालू परिवार की सिक्योरिटी कम कर दी है। सरकार के इस फैसले से नाराज राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने अपनी सुरक्षा लौटाने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद तेजस्वी एयरपोर्ट से बिना एस्कॉर्ट (पुलिस की गाड़ी) आवास के लिए निकल गए। तेजस्वी के एस्कॉर्ट में 5 से 7 पुलिस की गाड़ियां शामिल होती थीं। उनके साथ पूर्व सीएम लालू यादव, मीसा भारती और पत्नी राजश्री भी मौजूद थीं। जो नया बंगला राबड़ी देवी को अलॉट किया गया है, वहीं नए मंत्री को भी दिया जा सकता है। हमारे लिए सुरक्षा और आवास मुद्दा नहीं हैं। रेवड़ी जैसी सुरक्षा बांटी जा रही है।

देश-विदेश में बसे बिहारियों को जोड़ेगा नया डिजिटल मंच

एजेंसी, पटना

- निवेश, रोजगार-स्टार्टअप की होगी डिटेलिंग

बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी (आईटी) विभाग ने दुनिया भर में बसे बिहारियों को राज्य के विकास से जोड़ने के लिए एक नई पहल शुरू की है। आईटी मंत्री नीतीश मिश्रा ने एक विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया। यह प्लेटफॉर्म देश और विदेश में रहने वाले बिहार मूल के लोगों को बिहार में निवेश, रोजगार, स्टार्टअप, शिक्षा और विकास से जुड़ी जानकारियों से जोड़ेगा।

दुनियाभर के बिहारियों को एक मंच पर लाने की कोशिशः मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, आज लाखों बिहारी देश और विदेश के अलग-अलग हिस्सों में रहकर विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। कई लोग बड़े उद्योगों, तकनीकी कंपनियों, शिक्षा, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार चाहती है कि उनका अनुभव और ज्ञान बिहार के काम आए। इसी उद्देश्य से यह डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है।

बिहार में निवेश के अवसरों की मिलेगी जानकारीः इस प्लेटफॉर्म के जरिए प्रवासी बिहारियों को राज्य में उपलब्ध निवेश और कारोबार के अवसरों की जानकारी मिलेगी। जो लोग बिहार में उद्योग लगाना चाहते हैं या किसी परियोजना में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें जरूरी जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे बिहार में नए उद्योग लगेंगे, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य के आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों और शहरों में काम कर रहे बिहारी विशेषज्ञ अपने अनुभव और ज्ञान को बिहार के युवाओं के साथ साझा कर सकेंगे। इससे छात्रों, स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं और नए उद्यमियों को काफी फायदा होगा। यह मंच शिक्षा, तकनीक, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने का काम करेगा।

स्टार्टअप और नए उद्यमों को होगा लाभः नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार सरकार स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। नए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिहार के स्टार्टअप्स को देश-विदेश के विशेषज्ञों और निवेशकों से जुड़ने का मौका मिलेगा। इससे नए विचारों को आगे बढ़ाने और व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

इस प्लेटफॉर्म पर बिहार मूल के लोग ऑनलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। पंजीकरण के दौरान वे अपने काम, अनुभव और विशेषज्ञता की जानकारी साझा करेंगे। इसके आधार पर उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार के लोगों ने पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। यदि उनके अनुभव, ज्ञान और संसाधनों को राज्य के विकास से जोड़ा जाए तो बिहार को नई दिशा और नई गति मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, एक गंभीर घायल

बीएनएम@ तुरकौलिया। पूर्वी चंपारण जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-28 पर स्थित शंकर ढाबा के समीप मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के मंझार मुशहर टोली निवासी जियालाल मांझी के 18 वर्षीय पुत्र लाल बहादुर कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान उसी गांव के गुड्डू कुमार (पुत्र मदन लाल सहनी) के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से किसी रिश्तेदार के घर से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान शंकर ढाबा के समीप एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लाल बहादुर कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गुड्डू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बंजरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दारोगा सुरेंद्र सिंह, दयाराम सिंह यादव एवं प्रशिक्षु दारोगा पंकज कुमार ने पुलिस बल के साथ राहत कार्य शुरू किया। घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक और घायल के परिजन सदर अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन हो गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार भी वहां जुट गए। बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुटी हुई है।

गंभीर कांड के दो नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

बीएनएम@ पहाड़पुर। पहाड़पुर थाना पुलिस ने फरार अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गंभीर कांड में नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। दोनों आरोपी लंबे समय से पुलिस गिरफ्त से बचने का प्रयास कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, पहाड़पुर थाना कांड संख्या 383/26 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही थानाध्यक्ष अजय कुमार के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) राजू कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सिसवाँ नुनिअवा टोला में छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों नामजद अभियुक्तों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिसवाँ नुनिअवा टोला निवासी स्वर्गीय दर्शन महतो के पुत्र 36 वर्षीय मोतीलाल महतो तथा 28 वर्षीय राजकुमार महतो के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई बताए जा रहे हैं और मामले में प्राथमिक अभियुक्त थे। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है तथा किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने दोनों आरोपियों की चिकित्सकीय जांच एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है और क्षेत्र में अपराधियों के बीच इससे स्पष्ट संदेश गया है कि कानून से बचना संभव नहीं है।

14 वर्षों से फरार चोर गिरफ्तार, तीन वारंटी भी दबोचे गए

बीएनएम@ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना पुलिस ने 14 वर्षों से फरार चल रहे एक चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पिपराकोठी थाना क्षेत्र के मधुछपरा निवासी मोहम्मद इस्लाम खान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2012 में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की एक घटना में मोहम्मद इस्लाम खान आरोपी था। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं, तुरकौलिया थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सेमरा खास निवासी रंजू देवी शामिल हैं, जिनके विरुद्ध मारपीट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। इसके अलावा माठवा गांव निवासी संजय सिंह को मारपीट और रंगदारी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने माठवा गांव के ही मोहम्मद सलीम को भी गिरफ्तार किया है। वह भरण-पोषण से संबंधित मामले में वारंटी था और लंबे समय से फरार चल रहा था। तुरकौलिया थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चला रही है।

बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ राजद का धरना, सरकार पर जमकर बरसे नेता

बीएनएम@ मोतिहारी/चिरैया

बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को चिरैया प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया तथा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। धरना को संबोधित करते हुए चिरैया एवं घोड़ासहन के पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण प्रसाद यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और गरीबी ने आम लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन समस्याओं के समाधान में पूरी तरह असफल साबित हुई है। उन्होंने चिरैया विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार जनता की आवाज सुनने को तैयार नहीं है। राजद के प्रदेश सचिव बच्चा प्रसाद यादव ने कहा कि आम जनता के मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने के लिए यह आंदोलन किया गया है। उन्होंने कहा कि राजद हमेशा सामाजिक न्याय, गरीबों के अधिकार और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करती रही है और आगे भी यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। धरना के दौरान कई स्थानीय नेताओं ने भी अपने विचार रखे और सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। कार्यक्रम में राजद प्रखंड अध्यक्ष कैलाश ठाकुर, मुखिया मनोज यादव, मुखिया सुमंत कुमार, सरपंच धर्मेंद्र कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष हरेंद्र प्रसाद यादव, रामाशंकर यादव, अंकुर यादव, पंचायत समिति सदस्य लालू प्रसाद यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धरना के अंत में राजद नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

एआई से अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में साइबर संचालक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि

जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक साइबर संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने एआई तकनीक का दुरुपयोग कर एक युवती की अश्लील तस्वीर तैयार की और अपने सहयोगी के साथ मिलकर उसके परिजनों से पैसे की मांग कर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, मामले को लेकर युवती के परिजन ने हरसिद्धि थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मटियारिया क्षेत्र में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मटियारिया निवासी संजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी साइबर संचालन से जुड़ा हुआ है और उस पर एआई तकनीक का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक तस्वीर बनाकर आर्थिक लाभ के लिए दबाव बनाने का आरोप है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दर्ज प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले की गहन जांच की जा रही है तथा इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध और डिजिटल माध्यमों से होने वाली ब्लैकमेलिंग की घटनाओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रक्सौल बॉर्डर पर अवैध प्रवेश की कोशिश नाकाम स्विट्जरलैंड की महिला व म्यांमार का युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रक्सौल बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों ने अवैध प्रवेश की एक कोशिश को विफल करते हुए दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में स्विट्जरलैंड की एक महिला और म्यांमार का एक युवक शामिल हैं। दोनों के पास भारत में प्रवेश के लिए आवश्यक वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। जानकारी के अनुसार हरैया थाना क्षेत्र के कस्टम चौक के पास इमिग्रेशन विभाग की टीम नियमित जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान दो विदेशी नागरिक संदिग्ध परिस्थितियों में मिले। जांच के दौरान अधिकारियों ने उनसे यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे, लेकिन वे भारत में प्रवेश के लिए आवश्यक वैध वीजा और अन्य जरूरी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। गिरफ्तार महिला की पहचान स्विट्जरलैंड निवासी जुनिला थेक श्रेष्ठा तथा युवक की पहचान म्यांमार के यांगून निवासी आंग निंग लेट के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद दोनों को हिरासत में लेकर हरैया थाना लाया गया। इमिग्रेशन विभाग की सूचना पर हरैया थाना पुलिस ने दोनों विदेशी नागरिकों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की गहन जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि दोनों किस उद्देश्य से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे और उनके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। गौरतलब है कि रक्सौल भारत-नेपाल सीमा का महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार है। सीमा पर अवैध आवाजाही रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी बढ़ाए हुए हैं और विशेष जांच अभियान चला रही हैं।

महंगाई-बेरोजगारी ने जनता की कमर तोड़ दी, सरकार बनी मूकदर्शक : राजेंद्र

बीएनएम@ हरसिद्धि

बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और बढ़ते अपराध के विरोध में मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद प्रतिनिधि राजेंद्र यादव ने की। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार राम ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है, जबकि भ्रष्टाचार और अपराध पर सरकार का नियंत्रण लगातार कमजोर होता जा रहा है। जनता रोजमर्रा की समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन सरकार उनके समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिख रही है। पूर्व विधायक ने प्रखंड और अंचल कार्यालयों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से अपनी समस्याएं लेकर आने वाले लोगों के लिए बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। यह प्रशासनिक उदासीनता और आम जनता के अधिकारों की अनदेखी का प्रतीक है। धरना-प्रदर्शन के दौरान राजद नेताओं ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई और समस्याओं के समाधान की मांग की। कार्यक्रम के समापन के बाद पार्टी नेताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन को प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी आदित्य अंशु तथा राजस्व पदाधिकारी रामसेवक पासवान ने स्वीकार किया। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। धरना में नवल किशोर प्रसाद, कन्हैया पाल, शिवचंद्र ठाकुर, रूपेश यादव, बृज किशोर यादव, मोहन यादव सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

प्रीपेरटरी कैबिनेट मीटिंग में रक्सौल लायंस क्लब का परचम, बिमल सर्राफ बने जोनल चेयरपर्सन

बीएनएम@ रक्सौल

लायंस इंटरनेशनल जिला 322 ई के लायनिस्टिक वर्ष 2026-27 की प्रथम प्रीपेरटरी कैबिनेट मीटिंग एवं डिस्ट्रिक्ट स्कूलिंग कार्यक्रम में रक्सौल लायंस क्लब ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए जिले में महत्वपूर्ण पहचान बनाई। पटना के चाणक्य होटल स्थित भव्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में क्लब के कई सदस्यों को जिला स्तर की अहम जिम्मेदारियां सौंपी गईं, जिससे रक्सौल के सामाजिक और सेवा क्षेत्र में सक्रिय लोगों में उत्साह का माहौल है। निर्वाचित जिलापाल लायन संगीता नंदा के नेतृत्व में गठित नई कैबिनेट में रक्सौल लायंस क्लब के वर्तमान अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ को जोनल चेयरपर्सन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। उनके जोन में रक्सौल, सीतामढ़ी अम्बा, सीतामढ़ी यूथ तथा सीतामढ़ी सेंट्रल लायंस क्लब शामिल किए गए हैं। इसके अलावा उन्हें इंडो-नेपाल मीट एंड रिलेशन का डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन भी मनोनीत किया गया है। क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन नारायण रुंगटा को रीजनल कोऑर्डिनेटर (जीईटी), लायन साइमन रेक्स को डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन (बुक बैंक), लायन मोहम्मद निजामुद्दीन को संयुक्त डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन (इंडो-नेपाल मीट एंड रिलेशन) तथा लायन अमित कुमार को संयुक्त डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन (रीजनल फोरम) का दायित्व सौंपा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्वाचित जिलापाल लायन संगीता नंदा ने की। इस अवसर पर पूर्व जिलापाल लायन प्रकाश नंदा, लायन बिनोद अग्रवाल, लायन देशबंधु गुप्ता, लायन मधेश्वर सिंह, लायन वीणा गुप्ता, लायन डॉ. शैलेश सिन्हा, लायन प्रवीण सिन्हा, लायन गणवंत मल्लिक, प्रथम उप-जिलापाल लायन अविनाश शाह तथा द्वितीय उप-जिलापाल लायन गीता शर्मा सहित सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में लायंस इंटरनेशनल की सेवा, नेतृत्व और मानवता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। रक्सौल लायंस क्लब के सदस्यों को मिली इन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों पर नगर के विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। भारत विकास परिषद, रक्सौल शाखा के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए इसे पूरे रक्सौल नगर के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि नए दायित्वों के साथ क्लब सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा तथा भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में जनकल्याणकारी गतिविधियों को नई गति देगा। इस संबंध में जानकारी लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के अध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस को दी।

बिजली करंट की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत, गांव में मातम

बीएनएम@ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत अंतर्गत चीउटही विशुनपुरवा गांव में मंगलवार शाम बिजली करंट लगने से एक 72 वर्षीय वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतका की पहचान गांव निवासी स्वर्गीय विन्देश्वरी सिंह की पत्नी पुनकली देवी (72) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मंगलवार की संध्या वह अपने घर से सड़क की ओर जा रही थीं। इसी दौरान सड़क किनारे लगा एक बिजली पोल पहले से टूटा हुआ था। पोल से जुड़े तार पर कवर चढ़ा हुआ था, लेकिन पोल टूटने के दौरान रगड़ लगने से एक स्थान पर तार का कवर हट गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उसी स्थान से गुजरने के दौरान वृद्ध महिला अचानक बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आ गईं। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वृद्ध महिला की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठाए हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि घटना की आधिकारिक सूचना अभी तक परिजनों की ओर से नहीं मिली है। आवेदन प्राप्त होने पर पुलिस नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगी। बताया जा रहा है कि परिजन शव का पोस्टमार्टम नहीं कराने के पक्ष में हैं।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ बेतिया अंचल कार्यालय पर राजद का धरना

बीएनएम@ रक्सौल

बीएनएम/बेतिया। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को बेतिया अंचल कार्यालय परिसर में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। धरना के दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। धरना को संबोधित करते हुए राजद नेता प्रभु यादव ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता त्रस्त है, जबकि बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। रोजगार के अवसर नहीं मिलने के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज, परिमार्जन एवं अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए महीनों तक कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। कई ऑनलाइन पोर्टलों पर अनियमितताएं और अवैध वसूली की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना भी कई क्षेत्रों में समस्याओं का कारण बन गई है। योजना के संचालन और रखरखाव में खामियों के चलते लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और संबंधित पदाधिकारी जनसमस्याओं के समाधान में असफल साबित हो रहे हैं। धरना के दौरान राजद नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा अंचल कार्यालय से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगी। उन्होंने प्रशासन से जनहित के मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ राजद का धरना, सरकार पर साधा निशाना

बीएनएम@ रक्सौल

बीएनएम/रामगढ़वा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर मंगलवार को रामगढ़वा प्रखंड परिसर में महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार एवं बिगड़ती कानून-व्यवस्था के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। पूर्व विधायक ई. शशि भूषण सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले शांतिपूर्ण धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रखंड युवा अध्यक्ष मुकेश यादव ने की, जबकि संचालन उपेंद्र शुक्ला ने किया। धरना सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। पूर्व कामरेड नेता राधामोहन सिंह ने कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस समेत आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से आम लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है और गरीब परिवारों के लिए घर चलाना कठिन हो गया है। प्रखंड युवा अध्यक्ष मुकेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार आम जनता की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार और महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार गंभीर नहीं है। वरिष्ठ नेता प्रेमचंद्र यादव ने कहा कि बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। शिक्षित युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों से महिलाएं भी रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। वक्ताओं ने प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाते हुए कहा कि कई सरकारी कार्यों में आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता की मांग की। धरना-प्रदर्शन में प्रेम यादव, राजीव सिंह, जयकिशोर यादव, राजेश यादव, सुरेंद्र यादव, तेजीलाल कुशवाहा, मिथलेश पासवान, नंद किशोर यादव, ऋतिक कुमार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में राजद नेताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम एक मांग-पत्र सौंपा। मांग-पत्र में महंगाई पर नियंत्रण, बेरोजगारों को रोजगार, भ्रष्टाचार पर प्रभावी कार्रवाई तथा कानून-व्यवस्था में सुधार की मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत, पहचान में जुटी पुलिस

बीएनएम@ बेतिया। बेतिया-नरकटियागंज रेलखंड पर कुमारबाग स्टेशन के समीप मंगलवार सुबह वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 10 बजे कुमारबाग स्टेशन के निकट रेलवे ट्रैक के पिलर संख्या 212/12 से 214/12 के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि युवक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। रेलवे थाना के पोस्ट कमांडेंट शशि भूषण सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए आसपास के थाना क्षेत्रों तथा स्थानीय लोगों से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवक की पहचान होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई पूरी की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और शव को सुरक्षित रखकर पहचान की प्रक्रिया जारी है।

चीफ नहीं, चीप मिनिस्टर हैं सम्राट चौधरी : तेजस्वी

बीएनएम@ पटना। बिहार में लालू परिवार की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती और सरकारी आवास को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली से

पटना लौटने के बाद एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाने पर लेते हुए कहा कि वे "चीफ मिनिस्टर नहीं, चीप मिनिस्टर" की तरह व्यवहार कर रहे हैं। पटना एयरपोर्ट पर तेजस्वी यादव अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, सांसद मीसा भारती और पत्नी राजश्री यादव के साथ पहुंचे। इस दौरान वे बिना पुलिस एस्कॉर्ट और अतिरिक्त सुरक्षा के एयरपोर्ट से अपने आवास के लिए रवाना हुए। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा में कटौती राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सरकार जानबूझकर ऐसे मुद्दों को उछालकर जनता का ध्यान राज्य की वास्तविक समस्याओं से भटकाना चाहती है। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास कार्य प्रभावित हैं, राज्य का खजाना खाली है और सरकार जनहित के मुद्दों पर जवाब देने से बच रही है।

धनहा और नदी थाना पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान

उत्तर प्रदेश से बिहार में आने वाले वाहनों की हुई जांच :थानाध्यक्ष

बीएनएम@ बगहाः पुलिस अधीक्षक बगहा के आदेश के आलोक में जिला के धनहा एवं नदी थाना की पुलिस ने मंगलवार को विशेष जांच अभियान चलाया। जांच अभियान के दौरान उत्तर

प्रदेश की ओर से आने वाले सभी वाहनों की सघन तलाशी ली। धनहा थाना की पुलिस ने धनहा गौतम बुद्ध सेतु चेकपोस्ट पर जांच अभियान चलाया। वही नदी थाना की पुलिस ने रोहुआ नाला चेकपोस्ट पर जांच अभियान चलाया।धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह एवं नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद ने संयुक्त रूप से बताया कि अपराध नियंत्रण, अवैध गतिविधियों पर रोक तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।पुलिस के अनुसार सुरक्षा के मद्देनजर इस प्रकार के जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

मोहिउद्दीन नगर में पीजी की पढ़ाई शुरू हो : विधायक

विधायक ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम@ समस्तीपुरः मोहिउद्दीन नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बिहार सरकार के उच्च शिक्षा एवं विधि विभाग के मंत्री संजय सिंह टाइगर को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र के दो मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू कराने की मांग की। विधायक ने अपने ज्ञापन में मोहिउद्दीन नगर प्रखंड स्थित राम बहादुर सिंह महाविद्यालय अंदौर तथा मोहनपुर

प्रखंड स्थित जीएमआरडी महाविद्यालय में स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर की पढ़ाई प्रारंभ करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को पीजी की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक एवं अन्य कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विधायक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखने के बावजूद दूरी और खर्च के कारण स्नातकोत्तर की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। विधायक ने विश्वास जताया कि सरकार इस जनहित से जुड़ी मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगी। ।

राजद का बैरिया प्रखंड कार्यालय पर धरना

बीएनएम@ बैरिया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यव्यापी एक दिवसीय धरना कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बैरिया प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना दिया

गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड राजद अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद यादव ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव राजदेव चौधरी ने किया। नेताओं ने राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, ध्वस्त कानून व्यवस्था तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। धरना में सैकड़ों राजद कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की मांग की। नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान तक राजद का संघर्ष जारी रहेगा।

छौड़ादानो में राजद का धरना-प्रदर्शन

बीएनएम@ मोतिहारी/छौड़ादानो। पूर्वी चंपारण जिले के छौड़ादानो प्रखंड मुख्यालय परिसर में मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। धरना का मुख्य मुद्दा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिहार से पलायन और बिजली संकट रहा। धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए पूर्व विधि मंत्री शमीम अहमद ने केंद्र और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण गरीब और मध्यम वर्ग का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

आपकी खबर को समाचार शैली में पुनर्लेखित किया गया है

सत्यवीर सुमन ने संभाला अरेराज प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार

बीएनएम@ अरेराज

अरेराज के अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी सत्यवीर सुमन ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने स्थानीय प्रखंड संसाधन केंद्र पहुंचकर औपचारिक रूप से पदभार संभाला और विभागीय अधिकारियों तथा कर्मियों के साथ बैठक कर शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। कार्यभार ग्रहण करने के बाद आयोजित परिचयात्मक बैठक में उन्होंने प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान विद्यालयों में संचालित योजनाओं, पठन-पाठन व्यवस्था तथा शिक्षकों की उपस्थिति से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। नवनियुक्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सत्यवीर सुमन ने कहा कि क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में पठन-पाठन का स्तर बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों की नियमित एवं समयबद्ध उपस्थिति पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। साथ ही शिक्षा विभाग के सभी कर्मियों से समन्वय बनाकर बेहतर परिणाम हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के कर्मियों एवं स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया तथा नए दायित्व के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी और विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

राजद ने प्रखंड मुख्यालय पर दिया धरना-प्रदर्शन

महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते अपराध के खिलाफ आयोजन

बीएनएम@ समस्तीपुर

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के आह्वान पर मंगलवार को मोहिउद्दीन नगर प्रखंड मुख्यालय परिसर में महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते अपराध के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड प्रमुख सह राजद नेता जवाहरलाल राय ने किया, जबकि इसकी अध्यक्षता भाई दिनकर राय ने तथा संचालन मो. निजाम ने किया। धरना-प्रदर्शन के दौरान राजद कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए आम जनता की समस्याओं के समाधान की मांग की। जवाहरलाल ने कहा कि प्रदेश में लगातार महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, जिससे आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। राजद नेताओं ने कहा कि जनता आज महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और बढ़ते अपराध से परेशान है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीरता से काम नहीं कर रही है। धरना-प्रदर्शन में मुखिया सुरेंद्र राय, अमरनाथ राय, ममता देवी, पूनम देवी, अकली देवी, राजू राय, मो. कलाम ,अरुण राय, लाखों देवी सहित सैकड़ों राजद कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग एवं मेडिटेशन सेशन संपन्न

बच्चों एवं युवाओं को आत्मरक्षा के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियां मिलीं

बीएनएम@ समस्तीपुर। "चलो कुछ न्यारा करते हैं फाउंडेशन" के 5वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक उत्सव के अंतर्गत चल रहे तीन दिवसीय सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग एवं मेडिटेशन सेशन का तीसरा एवं अंतिम दिन उत्साहपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आत्मरक्षा के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रीतेश तिवारी ने प्रतिभागियों के साथ मेडिटेशन सत्र का संचालन किया। उन्होंने बच्चों को मानसिक शांति, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और आत्म-अनुशासन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रशिक्षक बबलू कुमार, अजय आडवाणी, राजा कुमार एवं रवि कुमार ने प्रतिभागियों को आत्मरक्षा के विभिन्न व्यावहारिक गुर सिखाए। तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण एवं मेडिटेशन कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई।

पीएम मोदी के 12 साल बेमिसाल : विधायक

भारतीय राजनीति के इतिहास में पीएम मोदी का कार्यकाल मील का पत्थर साबित

बीएनएम@ बगहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 साल बेमिसाल एक नारा नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सपनों और विश्वास एवं आकांक्षाओं का साकार रूप है। उक्त बातें बगहा विधायक राम सिंह ने कही। वे मंगलवार को प्रखंड बगहा एक के सात पंचायतों में जन संपर्क के दौरान लोगों से कही। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में पीएम मोदी के कार्यकाल मील का पत्थर साबित हुआ। विधायक ने जनसंपर्क के क्रम में इंग्लिशिया, सिसवा बसंतपुर, धरमाकता, परसौनी, रायबारी महुअवा, सलहा बरिअरवा समेत सात पंचायतों में भ्रमण कर पीएम मोदी के 12 साल बेमिसाल के बारे में समाज के वंचित, दलित, अल्पसंख्यक सहित समाज के सभी वर्ग के लोगों को केंद्र सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी और जनकल्याणकारी योजनाओं समेत पीएम मोदी के कार्यकाल की प्रशंसा और सराहना करते हुए बता रहे थे। विधायक ने कहा कि पीएम मोदी के दुरदर्शी नेतृत्व , अटुट राष्ट्र निष्ठा और जनसेवा की प्रतिक है, जो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह पर तेजी से अग्रसर कर रहा है। इस दौरान विधायक ने जनसंपर्क अभियान के तहत पीएम मोदी के कार्यकाल के बारे में लोगों को बताया। इस अवसर पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष अरविंद दुबे, भाजपा के वरीय नेता बलराम तिवारी, बब्लू मिश्रा, सुदामा खरवार, सुनील साह, विजय राव समेत दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर अग्निकांड के बाद गया में फायर विभाग की बड़ी कार्रवाई

42 होटल और अस्पतालों को नोटिस जारी

बीएनएम@ गयाजी। मुजफ्फरपुर अग्निकांड के बाद बिहार अग्निशमन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिले में भी फायर सेफ्टी को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले के अस्पतालों और होटलों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच के दौरान कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। फायर विभाग ने 42 संस्थानों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय के भीतर सुरक्षा मानकों का पालन करने का निर्देश दिया है। गया जिला अग्निशमन पदाधिकारी अमन कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि जनहानि और संपत्ति के नुकसान को रोकने के उद्देश्य से जिलेभर में विशेष फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के पहले चरण में अस्पतालों और होटलों की जांच की जा रही है। अब तक जिले के 73 अस्पतालों और 86 होटलों का फायर सेफ्टी ऑडिट किया जा चुका है। जांच के दौरान 42 अस्पताल और होटल ऐसे पाए गए, जहां अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन नहीं हो रहा था। अग्निशमन पदाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि समय सीमा के भीतर नियमों का अनुपालन नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर भवनों को सील भी किया जा सकता है।

नगर निगम में बोर्ड की बैठक में 267 सड़क-नाली योजनाओं पर लगी मुहर

बीएनएम@ गयाजी

नगर निगम सभागार में मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान की अध्यक्षता में नगर निगम बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें मंजूरी दी गई। वहीं मानसून से पहले नाला सफाई कार्य में हो रही देरी को लेकर जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों और एजेंसियों पर जमकर नाराजगी जताई। बैठक का संचालन सशक्त स्थायी समिति के सदस्य अखौरी ओंकारनाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने किया। सदन में मेयर ने बताया कि शहर के सभी वार्डों में सड़क और नाली निर्माण के लिए करीब 27 करोड़ रुपये की लागत से 267 योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इन योजनाओं के पूरा होने से वर्षों से लंबित सड़क, जलनिकासी और जलजमाव की समस्याओं से लोगों को राहत मिलेगी। मानसून पूर्व नाला और नालियों की सफाई का मुद्दा बैठक में सबसे अधिक चर्चा का विषय रहा। मेयर ने कहा कि सफाई एजेंसियों और सफाईकर्मियों के बीच समन्वय की कमी के कारण कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है। मानसून दस्तक देने वाला है, लेकिन अब तक केवल लगभग 50 प्रतिशत सफाई कार्य ही पूरा हो सका है। इस दौरान कई पार्षदों ने सफाई कार्य में अनियमितता और लापरवाही का आरोप लगाया। पार्षद नैयर अहमद ने वाटन नाले की सफाई को महज खानापूर्ति बताते हुए गुणवत्ता पर सवाल उठाया। वहीं पार्षद अशोक कुमार ने कुजापी नाले की सफाई को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि वार्ड संख्या-18 सहित कई क्षेत्रों में बरसात के दौरान जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। जनप्रतिनिधियों की नाराजगी के बीच नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने आश्वस्त किया कि 30 जून तक शहर के सभी प्रमुख नालों और नालियों की सफाई का कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। योजनाएं जिनको मंजूरी मिली- यात्रियों को मिलेगी राहत, बनेंगे यात्री शेड,शहर में खुलेंगे 60 पुस्तकालय और प्रत्येक वार्ड को 10-10 लाख रुपये दिए जाएंगे। बैठक में डिप्टी मेयर चिंता देवी, नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया, सशक्त स्थायी समिति के सदस्य मोहन श्रीवास्तव, विनोद यादव, डिपंल कुमार, दीपक चंद्रवंशी, शिला देवी, संजय कुमार सिन्हा, राजीव सिन्हा, संगीता देवी, नैयर अहमद, अंजली कुमारी, अनुपमा देवी, सारिका वर्मा, अमृता सिंह, जयप्रकाश सिंह यादव समेत कई पार्षद एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

लखीसराय शिक्षा विभाग कार्यालय में हंगामा

नशे में शिक्षक पर डाटा ऑपरेटर से मारपीट का आरोप

बीएनएम@ लखीसराय

शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) कार्यालय में हुई मारपीट की एक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आरोप है कि शराब के नशे में धुत एक शिक्षक ने कार्यालय में कार्यरत डाटा ऑपरेटर के साथ जमकर मारपीट की, जिससे कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना लखीसराय स्थित शिक्षा विभाग के डीपीओ स्थापना कार्यालय की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में कार्यालय परिसर के अंदर कुछ लोगों के बीच कहासुनी और धक्का-मुक्की होती दिखाई दे रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक शिक्षक किसी कार्य को लेकर कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी डाटा ऑपरेटर से बहस हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। आरोप है कि शिक्षक शराब के नशे में थे और उन्होंने कार्यालय के अंदर ही डाटा ऑपरेटर के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए हाथापाई की। घटना के बाद कार्यालय कर्मियों और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में भी चर्चा का माहौल है।

125 बच्चों और विधवा महिलाओं के बीच राहत सामग्री बांटी

बीएनएम@ बैरिया : बैरिया नारी जीर्णोद्धार एवं चेतना संस्थान द्वारा बैरिया प्रखंड के बगही रतनपुर पंचायत स्थित नेटवर्क टोली तथा मलाही बलुआ पंचायत के मुसहर टोली में करीब 125 बच्चों और विधवा महिलाओं के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद परिवारों को चावल और दाल उपलब्ध कराकर आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। संस्थान की सचिव बिंदा देवी ने बताया कि संस्था गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा, वस्त्र और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रोजेक्ट मैनेजर धनंजय शर्मा ने बताया कि राहत सामग्री वितरण का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग देना है।

जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुआ जनसुनवाई कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल तथा मंत्री शीला मंडल ने सुनीं शिकायतें

बीएनएम@ पटना

जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल तथा मंत्री शीला मंडल ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। प्राप्त शिकायतों और आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विजय कुमार चौधरी ने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अचानक प्रदेश कार्यालय पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि वे आम लोगों और कार्यकर्ताओं की समस्याओं के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यालय में प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार तक नियमित रूप से जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और इसके लिए मंत्रियों का रोस्टर तय है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार स्वयं इस कार्यक्रम की लगातार निगरानी करते हैं तथा समय-समय पर औचक निरीक्षण कर शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा भी करते हैं।

जनसुनवाई कार्यक्रम का औचक निरीक्षण करने पहुंचे नीतीश कुमार

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को पटना स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने चल रहे जनसुनवाई कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आम लोगों की समस्याओं और उनके समाधान की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई कार्यक्रम में मौजूद बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और मंत्री शीला मंडल से विभिन्न जिलों से आए लोगों की शिकायतों और मांगों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों और पार्टी प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके। प्रदेश कार्यालय में मौजूद कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से भी नीतीश कुमार ने मुलाकात की। उन्होंने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री के अचानक कार्यालय पहुंचने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी समर्थकों ने उनका स्वागत किया और उनसे संवाद का अवसर प्राप्त किया।

सात-सूत्री अपील

सवा दो महीनों तक आर्थिक मजबूती का गैर-जरूरी दिखावा करने के बाद आखिरकार अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए सात-सूत्री अपील भारतवासियों से की है।

तो आखिर ये नौबत आ पहुंची। प्रधानमंत्री को डॉलर और तेल-गैस बचाने के लिए आम नागरिकों से अपील करनी पड़ी है। सवा दो महीनों तक आर्थिक मजबूती का गैर-जरूरी दिखावा करने (मुमकिन है जारी चुनाव के कारण किया गया हो) के बाद अब नरेंद्र मोदी ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए सात-सूत्री अपील भारतवासियों से की है। कहा है कि ऊर्जा बचाने के लिए उन्हें वर्क फ्रॉम होम को तरजीह देनी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर पेट्रोल- डीजल की खपत घटानी चाहिए, और रसोई ईंधन के इस्तेमाल में कटौती करनी चाहिए। विदेशी मुद्रा खर्च ना हो, इसके लिए साल भर उन्हें सोना नहीं खरीदना चाहिए, स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए, और विदेश यात्रा से बचना चाहिए। साथ ही रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल घटाने के लिए कुदरती खेती की ओर जाना चाहिए। ये बातें ऊर्जा, डॉलर, और उर्वरकों की संभावित किल्लत की ओर इशारा करती हैं। ईरान युद्ध ने विश्व ऊर्जा बाजार के स्वरूप को फिलहाल बदल दिया है। इसकी मार उन तमाम देशों पर पड़ी है, जिनके पास अपना ऊर्जा स्रोत नहीं है और अच्छे दौर में रणनीतिक भंडार बना लेने की बात जिनके दिमाग में नहीं आई। फिलहाल, बाजार में कच्चा तेल उपलब्ध है, लेकिन उसके लिए (फरवरी की तुलना में) सवा से डेढ़ गुनी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव तेजी से बढ़ा है। इसी बीच विदेशी निवेशकों की भारत से पैसा निकालने के तेज होती गई रफ्तार और रुपये की कीमत में आई भारी गिरावट ने संकट और बढ़ा दिया है। उधर पश्चिम एशिया से घटे आयात के कारण उर्वरक में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स का अभाव हो गया है, जिससे खाद्य संकट की आशंकाएं गहराई हैं। ऐसे में कई देश पहले ही ऊर्जा एवं डॉलर बचाने के उपाय अपना चुके हैं। मगर भारत में बात तब शुरू हुई है, जब पानी सिर तक पहुंच गया है। तब भी बात सिर्फ नागरिकों तक है। जो भारतीय कंपनियां अरबों डॉलर का अमेरिका में कर रही हैं, उनमें देशभक्ति की भावना जगाने का आह्वान अभी नहीं किया गया है।

ग्रामीण भारत में जल शासनः ''सहभागी जल बजटिंग के जरिए समुदायों का सशक्तीकरण

विशेष लेख

भारत में जल संकट केवल संसाधनों की कमी का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास से जुड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ती जनसंख्या, असमान वर्षा वितरण, भूजल दोहन और जलवायु परिवर्तन ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे समय में जल बजटिंग एक प्रभावी और सहभागी समाधान के रूप में उभरकर सामने आई है, जो समुदायों को जल संसाधनों के वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग के लिए सक्षम बना रही है। जल शक्ति मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा संचालित पहलें यह दर्शाती हैं कि यदि स्थानीय समुदायों को जलप्रबंधन में सहभागी बनाया जाए तो जल संकट का दीर्घकालिक समाधान संभव है। अटल भूजल योजना, राष्ट्रीय जल मिशन, जलयुक्त शिवर अभियान और राजस्थान का मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान इसके सफल उदाहरण हैं।

जल संसाधनों पर बढ़ता दबाव : केंद्रीय जल आयोग के अध्ययन के अनुसार भारत में औसतन प्रतिवर्ष लगभग 3880 अरब घन मीटर वर्षा होती है। प्राकृतिक क्षति और वाष्पीकरण के बाद देश में औसत वार्षिक जल उपलब्धता लगभग 1999 अरब घन मीटर आंकी गई है। हालांकि, बढ़ती आबादी के कारण प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है। विश्व की लगभग 17.5 प्रतिशत आबादी और 11.6 प्रतिशत पशुधन भारत में है, जबकि जल संसाधन सीमित हैं। ग्रामीण भारत में उपलब्ध जल का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा कृषि में उपयोग होता है। ऐसे में भूजल स्तर में गिरावट और जल संकट की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है।

क्या है जल बजटिंग : जल बजटिंग का अर्थ किसी गांव, ब्लॉक, जलग्रहण क्षेत्र या जिले में उपलब्ध जल और उसकी मांग का वैज्ञानिक आकलन करना है। इसमें वर्षा, भूजल पुनर्भरण, सतही जल, बहाव, वाष्पीकरण और विभिन्न उपयोगों की जल मांग को शामिल किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल गणना तक सीमित नहीं है, बल्कि जल के स्रोतों, मौसमी बदलावों और मानव गतिविधियों के प्रभाव को समझने का माध्यम भी है। इसके आधार पर कृषि, घरेलू उपयोग, पशुपालन और अन्य गतिविधियों के लिए संतुलित जल आवंटन संभव हो पाता है।

कृषि और पशुपालन में सहायकः राष्ट्रीय एकीकृत जल संसाधन विकास आयोग के अनुसार वर्ष 2050 तक सिंचाई के लिए पानी की मांग 807 बिलियन क्यूबिक मीटर तक पहुंच सकती है। ऐसे में जल बजटिंग किसानों को स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप फसल चयन और सिंचाई पद्धति अपनाने में मदद करती है। नाबार्ड समर्थित पहलों से यह स्पष्ट हुआ है कि जल उपलब्धता के अनुसार फसल योजना बनाने से जोखिम कम होता है और उत्पादकता बढ़ती है। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, मल्चिंग और फसल विविधीकरण जैसी तकनीकों को बढ़ावा देकर जल उपयोग दक्षता में सुधार लाया जा रहा है। भारत में पशुधन की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2019 की पशुधन गणना के अनुसार पशुओं की संख्या बढ़कर लगभग 53.6 करोड़ हो गई। इससे पशुओं के लिए पानी और चारे की मांग भी बढ़ी है। जल बजटिंग इन आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखकर समग्र जल प्रबंधन सुनिश्चित करती है।

अटल भूजल योजना से बदली तस्वीरः वर्ष 2019 में शुरू की गई अटल भूजल योजना भूजल संकट वाले सात राज्यों के 229 ब्लॉकों में लागू की गई। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर जल बजट तैयार किए जा रहे हैं और स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण गतिविधियों से जोड़ा गया है। मार्च 2026 तक लगभग 81,700 जल संरक्षण और पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण या जीर्णोद्धार किया जा चुका है। योजना के तहत 8,203 जल बजट तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही 1.25 लाख से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 229 में से 180 ब्लॉकों में भूजल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि सहभागी जल प्रबंधन किस प्रकार सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

हिवरे बाजार बना प्रेरणा मॉडलः हिवरे बाज़ार गांव आज देश में सामुदायिक जल प्रबंधन का सफल उदाहरण बन चुका है। कभी सूखे और जल संकट से जूझने वाला यह गांव अब जल आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गया है। ग्राम सभा स्तर पर वार्षिक जल बजट तैयार कर किसानों को उपलब्ध पानी के अनुसार फसल चयन के लिए प्रेरित किया गया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए गहरे बोरवेल पर प्रतिबंध लगाया गया। वर्षा जल संचयन और जलग्रहण विकास जैसे उपायों ने गांव की तस्वीर बदल दी।

इस मॉडल से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने अपनी सूखा-रोधी रणनीति में जल बजटिंग को शामिल किया है और हर वर्ष हजारों गांवों को जल सुरक्षित बनाने का लक्ष्य रखा है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारीः राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान महिलाओं को जल संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका दे रहा है। स्वयं सहायता समूहों और ग्राम जल समितियों के माध्यम से महिलाएं जल शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले में जल जीवन मिशन के तहत 1,600 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। महिला नेतृत्व वाली समितियां गांवों में जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान चला रही हैं।

राजस्थान का सामुदायिक मॉडलः राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत फोर वाटर्स कॉन्सेप्ट आधारित जल संरक्षण मॉडल लागू किया गया। इसमें वर्षा जल, भूजल, मिट्टी की नमी और सतही जल के संरक्षण पर जोर दिया गया। ग्राम सभा स्तर पर जल बजटिंग को संस्थागत रूप देने से समुदाय स्वयं जल उपलब्धता का आकलन कर विभिन्न जरूरतों के लिए जल आवंटन तय कर रहे हैं। इस पहल से भूजल स्तर में वृद्धि, मिट्टी की उर्वरता में सुधार और लाखों लोगों तथा पशुओं के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

तकनीक से आसान हुआ जल प्रबंधनः वरुणी वेब एप्लीकेशन जैसी डिजिटल तकनीकें जल बजटिंग को और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बना रही हैं। यह प्लेटफॉर्म वर्षा, फसल पैटर्न, भूमि उपयोग और जनसंख्या से संबंधित सरकारी डेटा का उपयोग कर ब्लॉक स्तर पर जल बजट तैयार करता है। इस तकनीक की सहायता से स्थानीय प्रशासन जल की कमी या अधिकता का सटीक आकलन कर सकता है और आवश्यक कदम उठा सकता है। इससे जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा मिल रहा है।

जलयुक्त शिवर अभियान की सफलताः महाराष्ट्र सरकार का जलयुक्त शिवर अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्ष 2014 में शुरू किए गए इस अभियान के तहत जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्राम स्तर पर जल बजटिंग को बढ़ावा दिया गया। अभियान के परिणामस्वरूप 11 हजार से अधिक गांवों को सूखा मुक्त घोषित किया गया है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर में 1.5 से 2 मीटर तक वृद्धि दर्ज की गई और कृषि उत्पादकता में 30 से 50 प्रतिशत तक सुधार हुआ है।

सामुदायिक भागीदारी से मजबूत होगा जल भविष्यः जल संकट से निपटने के लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए समुदाय आधारित, डेटा-आधारित और सहभागी दृष्टिकोण आवश्यक है। जल बजटिंग गांवों को अपनी जल आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के बीच संतुलन स्थापित करने की क्षमता प्रदान करती है। हिवरे बाजार जैसे मॉडल और अटल भूजल योजना जैसी पहलकदमियां यह सिद्ध करती हैं कि स्थानीय भागीदारी, नीति समर्थन और तकनीक के समन्वय से जल संकट वाले क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। दीर्घकालिक जल सुरक्षा, कृषि संवहनीयता और ग्रामीण विकास सुनिश्चित करने के लिए जल बजटिंग को ग्राम स्तर से लेकर राष्ट्रीय योजना निर्माण तक संस्थागत रूप देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

विपक्ष की नई हुंकार ,आईएनडीआईए गठबंधन सरकार को घेरने की तैयारी में सफल होगा?

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता और विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। सत्ता जहां नीतियों और योजनाओं के माध्यम से देश को दिशा देने का प्रयास करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा कर जनता की आवाज़ को बुलंद करने का दायित्व निभाता है।इसी परिप्रेक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित आई एन डी आई ए गठबंधन की हालिया बैठक राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक में विपक्षी दलों ने न केवल अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया, बल्कि आने वाले समय के लिए एक साझा राजनीतिक एजेंडा भी तय किया।लोकसभा चुनाव2024 के बाद से आईएनडीआईए गठबंधन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा है।कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि चुनाव के बाद गठबंधन की सक्रियता कम हो जाएगी, किंतु हालिया बैठक ने यह संदेश दिया है कि विपक्ष अभी भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर गंभीर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने देश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है। बैठक में बेरोजगारी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है, किंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध न होने की शिकायत लगातार उठती रही है। सरकारी आंकड़े विकास की कहानी कहते हैं तो दूसरी ओर अनेक युवाओं की बेचैनी यह संकेत देती है कि रोजगार सृजन को लेकर अभी भी व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। विपक्ष ने इसी प्रश्न को अपने राजनीतिक अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाने का निर्णय लिया है।

महंगाई भी उन मुद्दों में शामिल रही जो आम नागरिक के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। रसोई गैस, खाद्य पदार्थों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विपक्ष का मानना है कि इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा और ठोस समाधान की आवश्यकता है। यही कारण है कि उसने केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है ताकि इन विषयों पर व्यापक सहमति और समाधान का रास्ता निकाला जा सके। किसानों के प्रश्न भी बैठक के केंद्र में रहे। भारत की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सरकारी योजनाओं के बावजूद किसानों की आय, लागत और बाजार से जुड़े प्रश्न समय-समय पर सामने आते रहे हैं।विपक्ष ने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भी रहा। विपक्षी दलों ने चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता के प्रश्नों को उठाने का निर्णय लिया है। लोकतंत्र में चुनावों की विश्वसनीयता सर्वोच्च महत्व रखती है और यही कारण है कि इस विषय पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता स्वाभाविक है। राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा किआईएनडीआईए गठबंधन अब नियमित अंतराल पर बैठकें करेगा। हर दो महीने में बैठक आयोजित करने और अगली बैठक हैदराबाद में 8 अगस्त को करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि विपक्ष अपनी गतिविधियों को संस्थागत स्वरूप देना चाहता है। यह केवल एक राजनीतिक बैठक नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी गठबंधन की सफलता केवल बैठकों और प्रस्तावों से सुनिश्चित नहीं होती। जनता अंततः परिणामों, विश्वसनीयता और वैकल्पिक दृष्टिकोण को महत्व देती है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह केवल सरकार की आलोचना तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सामने विकास, रोजगार, शिक्षा, कृषि और आर्थिक प्रगति का एक स्पष्ट वैकल्पिक खाका भी प्रस्तुत करे। दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, अवसंरचना विकास अभूतपूर्व गति से हो रहा है और करोड़ों लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी महीनों में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस और अधिक तीखी होने की संभावना है। नई दिल्ली में हुई आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल विपक्षी दलों का जमावड़ा नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक संघर्षों की रूपरेखा भी है। शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, किसान और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को केंद्र में रखकर विपक्ष ने अपनी दिशा तय कर दी है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

पीएम स्वनिधिः गुज़ारे से आत्मनिर्भरता की ओर

पीएम स्वनिधि भारत की अनाधिकारिक शहरी अर्थव्यवस्था में काम करने वाले आपूर्तिकर्ताओं को सहायता देने वाली एक बड़ी पहल के तौर पर उभरी है। बिना किसी गारंटी के ऋण देने के अलावा, इस योजना ने डिजिटल तरीकों को अपनाने को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाया है और सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया है। वर्ष 2020 में शुरू होने के बाद से, अब तक 1.12 करोड़ से ज़्यादा ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से शहरों और कस्बों में 75 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों को फ़ायदा हुआ है। इस योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपये से ज़्यादा के ऋण दिए गए हैं। इसका असर न सिफ़र् सरकारी आंकड़ों में दिखता है, बल्कि उन लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में भी नज़र आता है जो अपनी आजीविका को ज़्यादा मज़बूत और टिकाऊ बना रहे हैं।

भारत के रेहड़ी-पटरी वालों की बदलती कहानीः किसी भीड़भाड़ वाले बाज़ार में सब्ज़ी बेचने वाला और किसी व्यस्त दफ़्तर के बाहर चाय बेचने वाला—ये भारतीय शहरों में आम नज़ारे हैं। गलियों में घूमकर फल बेचने वाला और सड़क के किनारे फुटपाथ पर जूते ठीक करने वाला मोची भी रोज़मर्रा की शहरी ज़िंदगी के लिए उतने ही ज़रूरी हैं। ये लाखों रेहड़ी-पटरी वाले मिलकर हर दिन भारत की शहरी अर्थव्यवस्था को चलाते रहते हैं। वे स्थानीय बाज़ारों और आस-पड़ोस की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखते हुए किफ़ायती सामान और ज़रूरी सेवाएं देते हैं। हालांकि, औपचारिक ऋण तक उनकी पहुंच बहुत कम थी, जिसकी वजह से कई विक्रेताओं को बहुत ज़्यादा ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण पर निर्भर रहना पड़ता था। उनकी इन मुश्किलों को दूर करने के लिए, जून 2020 में 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की पहली सूक्ष्म वित्त (माइक्रो-क्रेडिट) पहल थी, जो रेहड़ी-पटरी वालों पर केंद्रित थी और जिसे सरकार की क्रेडिट गारंटी का सहारा मिला हुआ था। इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वालों को स्वरोज़गार, स्वावलंबन और स्वाभिमान देना था। आज, पीएम स्वनिधि सिफ़र् एक ऋण देने वाली सामान्य योजना से कहीं आगे बढ़कर एक देशव्यापी आंदोलन बन गई है, जो भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, डिजिटल दुनिया से जोड़ने और सामाजिक सुरक्षा देने का काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में, इस योजना ने देश भर के शहरों और कस्बों में ज़बरदस्त तरक्की की है। 75.5 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों ने 1.12 करोड़ से ज़्यादा ऋण लिए हैं, जिनकी कुल रकम 17,800 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। इस योजना के तहत 55 लाख से ज़्यादा लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से जोड़ा गया है। एक साथ मिलकर, उन्होंने लगभग 8.96 लाख करोड़ रुपये के 841 करोड़ से ज़्यादा डिजिटल ट्रांज़ैक्शन किए हैं। पीएम स्वनिधि के तहत लाभार्थियों को डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और ब्याज सब्सिडी के ज़रिए लगभग 800 करोड़ रुपये भी मिले हैं। इन मज़बूत उपलब्धियों और महसूस किए जाने वाले प्रभाव को देखते हुए, इस योजना को मार्च 2030 तक बढ़ा दिया गया है। पीएम स्वनिधि योजना की मुख्य विशेषताएंः कार्यशील पूंजी ऋणः बिना किसी गारंटी के 15,000 रुपये, 25,000 रुपये और 50,000 रुपये के ऋण, ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी सहायता के साथ, तीन चरणों में दिए जाते हैं। यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट काडःर् जो विक्रेता दूसरे चरण का ऋण सफलतापूर्वक चुका देते हैं, वे 30,000 रुपये तक की सीमा वाले यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होते हैं।

डिजिटल प्रक्रिया को अपनानाः डिजिटल प्रक्रिया को अपनाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए, स्ट्रीट वेंडरों को खुदरा/थोक डिजिटल ट्रांज़ैक्शन के लिए 1,600 रुपये तक के कैशबैक प्रोत्साहन दिए जाते हैं। स्वनिधि से समृद्धि (एसएसएस)लाभार्थियों और उनके परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण किया जाता है, ताकि उन्हें आठ चुनी हुई केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके और एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा जाल बनाया जा सके।

क्षमता निर्माण और उद्यमिता विकासः विक्रेताओं को एफएसएसएआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, और खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता में प्रशिक्षण दिया जाता है।

पीएम स्वनिधि योजना का असरः पीएम स्वनिधि का स्वतंत्र असर मूल्यांकन 2023 और 2025 में किया गया था। इन अध्ययनों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुधार सामने आएः आर्थिक सशक्तिकरणः इस योजना ने देश भर के विक्रेताओं के लिए व्यापार की स्थिरता को मज़बूत किया है और उनकी आमदनी में सुधार किया है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने पीएम स्वनिधि के तहत पहली बार औपचारिक संस्थागत ऋण प्राप्त किया। लगभग 30 प्रतिशत लोगों ने बाद में स्वनिधि ऋणों के अलावा अतिरिक्त ऋण भी प्राप्त किया, जो उनकी बेहतर ऋण पात्रता और वित्तीय समावेशन को दर्शाता है। लाभार्थियों की आय में भी औसतन लगभग 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

पारिवारिक कल्याण में सुधारः पीएम स्वनिधि के तहत हुए आर्थिक लाभों ने लाभार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस योजना ने आवास की अधिक स्थिरता और पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहतर पहुंच में सहायता प्रदान की। पीएम स्वनिधि ने शहरी क्षेत्रों के कमज़ोर समुदायों के बीच सामाजिक समावेशन को भी मज़बूत किया है। इस योजना के तहत लगभग 46 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो इसमें मज़बूत लैंगिक समावेश को दर्शाता है। लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी हाशिए पर रह रहे समुदायों से हैं, जो इस योजना की समावेशी पहुंच को उजागर करता है।

दृढ़ता और सशक्तिकरण की आवाज़ेंः आंकड़ों और ऋण वितरण के पीछे दृढ़ता, साहस और नई उम्मीदों की कहानियां हैं। कई विक्रेताओं के लिए, पीएम स्वनिधि ने स्थिरता, विकास और उन अवसरों के दरवाज़े खोल दिए हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। देश के अलग-अलग हिस्सों से मिले ये अनुभव इस बात को उजागर करते हैं कि कैसे सही समय पर मिली मदद छोटे व्यवसायों को उबरने, खुद को ढालने और ज़्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद कर रही है।

एक छोटी स्टॉल से एक दुकान तकः गाज़ियाबाद के नंदग्राम की बबीता शर्मा, एक स्थानीय मंदिर के पास पूजा का सामान बेचने वाली एक छोटी सी दुकान चलाती हैं। हर दिन, श्रद्धालु अगरबत्ती, दीये, फूल, नारियल और पूजा के लिए ज़रूरी अन्य सामान खरीदने के लिए उनके स्टॉल पर आते हैं। हालांकि इस व्यवसाय से उनके परिवार का गुज़ारा हो जाता था, लेकिन सीमित पूंजी के कारण उन्हें अक्सर अपने व्यवसाय का विस्तार करने और ग्राहकों की मांग को पूरा करने में मुश्किल होती थी। जुलाई 2020 में, बबीता को शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) के अधिकारियों के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना के बारे में पता चला। अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के एक अवसर के रूप में देखते हुए, उन्होंने इस योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन किया। पहला पीएम स्वनिधि ऋण मिलने के बाद, बबीता ने उस राशि का निवेश अतिरिक्त स्टॉक खरीदने और अपने स्टॉल पर और भी नए उत्पाद लाने में किया। उत्पादों की इस विस्तृत श्रृंखला ने ज़्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया और उनकी दैनिक बिक्री और आय को बढ़ाने में मदद की। अपने व्यवसाय में हुए सुधार से उत्साहित होकर, उन्होंने समय पर ऋण चुका दिया और दूसरी किस्त के लिए पात्र हो गईं। उन्होंने इस ऋण का उपयोग एक ठेला खरीदने और अपने बिक्री के सेटअप को बेहतर बनाने के लिए किया।

उद्यम के माध्यम से सीमाओं का विस्तारः तिरुवनंतपुरम की शांति आर, एक दशक से भी ज़्यादा समय से सूखी मछली के अपने व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की मुख्य कमाने वाली सदस्य रही हैं।

मेष राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। कृषकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। कृषि कार्यों में प्रगति होगी आज अगर नया काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। प्रतियोगी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। साथ ही अपनी तैयारी जारी रखनी चाहिए। जमीन जायदाद से जुड़े काम आज पूरा कर लेंगे। इससे आपको हार्दिक खुशी होगी। स्वास्थ्य के नजरिये से आपका दिन अच्छा रहेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज ऑफिस में आपके प्रमोशन होने की खुशखबरी मिलेगी। आज घर वालों के साथ खुशी का माहौल बना रहेगा। आज किसी बात पर अधिक गौर न करें अन्यथा आपको उलझने होंगी। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा। काम में आपका मन लगेगा। आज आपका चल रहा लोन पूरा होने की संभावना है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे। आज परिवार के लोग आपकी सराहना करेंगे। राजकीय क्षेत्र में लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना कर रखें। लोग आपका समर्थन करेंगे। लवमेट की पहले से चली आ रही अनबन आज ख़त्म होगी। एक दूसरे को और बेहतर समझेंगे।

कर्क राशि : आज आपके लिए दिन लाभदायक रहेगा। आज बड़ों की राय मानना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अधिक लाभ मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। लोग आपके सज्जन स्वभाव की तारीफ करेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के एमटेक के छात्र किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतर रहेगा आप किसी से राय ले लें। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। आपको कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। आज मनचाही वस्तु आप ले सकते हैं।

कन्या राशि : आज आपका दिन मिला- जुला रहेगा। आज अनावश्यक विवाद करने से बचें आपकी उलझने बढ़ सकती हैं। आज दोस्तों का भरपूर सहयोग आपको मिलेगा। आज कार्य क्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। जीवनसाथी से मन की बात शेयर कर सकते हैं। परिवार से दूर रहकर जॉब कर रहे लोगों को घरवालों से मुलाकात करने का मौका मिलेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा जाने वाला है। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की सैलरी में इंक्रीमेंट होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज पारिवारिक सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनायेंगे। अपनी जरूरत का सामान रखना न भूलें।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आपके मनोबल में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में आपकी मेहनत सफलता दिलाएगी। व्यापार में उतार-चढ़ाव से आज आपको राहत मिलेगी। आज आपकी सेल्स में बढ़ोतरी होगी। दोस्तों के साथ आज छोटी मोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आपके स्वभाव में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में रुचि लेने वाले लोगों को सम्मानित किया जायेगा। पारिवारिक सुख समृद्धि बढ़ेगा। स्वजनों से लगाव बना रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत बनेगा। घर बनवा रहे लोगों का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। नयी-नयी चीजों की ओर आपका ध्यान आकर्षित होगा। वेब डिजाइनिंग सीख रहे लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आज मनपसंद वाहन लेने की ओर आपका ध्यान आकर्षित होगा। बेटी का किसी मनचाहे फील्ड में सिलेक्शन होने के योग बन रहे हैं। आज जल्दबाजी के चक्कर में काम गलत हो सकता है, ध्यान से काम करने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आज बड़ों की बात ध्यान से सुनें, बात को बीच में न काटे। इस राशि के लवमेट शाम को शॉपिंग पर जायेंगे। दिन मनोरंजन से भरपूर रहेगा। आपके व्यापार में पहले से बेहतर अनुकूलता रहेगी।

मीन राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज सबके प्रति स्नेह पूर्वक रहे। आज समझदारी से बातों को समझेंगे। आज आपके लिए आय के नए मार्ग प्रदर्शित होंगे। विद्यार्थियों की आज लेखन कार्य में रुचि बढ़ेगी। आप किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। हार्डवेयर के कारोबारियों का काम अच्छा चलेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तेज गेंदबाज सिराज आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला से बाहर, प्रसिद्ध कृष्णा को मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह गुजरात टाइटंस के साथी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद सिराज को आराम देने का फैसला लिया गया है। यह निर्णय एहतियाती कदम के तौर पर लिया गया है, ताकि लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले उन्हें पर्याप्त समय तक रिकवरी मिल सके। सिराज हाल ही में न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टेस्ट जीत का हिस्सा रहे थे। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए पहले ही टीम में जगह नहीं दी गई थी। दूसरी ओर, प्रसिद्ध कृष्णा को लगातार मौके दिए जा रहे हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। प्रसिद्ध अब तक भारत के लिए पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने आठ विकेट लिए हैं। हालांकि उनका इकॉनमी रेट 11 रहा है। उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में भारत के लिए टी-20 मुकाबला खेला था। आईपीएल 2026 में भी दोनों खिलाड़ियों ने गुजरात टाइटंस के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिराज ने पूरे सत्र में 17 मैच खेले, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 12 मुकाबलों में हिस्सा लिया और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में योगदान दिया। भारत का व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जारी है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के बाद टीम को इंग्लैंड में एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद जिम्बाब्वे, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित हैं। भारत आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को बेलफास्ट में दो टी20 मैच खेलेगा। इसके बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला होगी।

आयरलैंड और इंग्लैंड टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका टी-20 श्रृंखला के लिए टीम घोषित की, ऑगस्टे, एंड्रयू और स्प्रिंगर की वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में अकीम ऑगस्टे, ज्वेल एंड्रयू और शमर स्प्रिंगर की वापसी हुई है। जमैका में आयोजित होने वाली इस श्रृंखला के लिए चुनी गई टीम में हाल ही में टी-20 विश्व कप खेलने वाली टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं। जॉनसन चार्ल्स, क्वेंटिन सैम्पसन और जेडन सील्स को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत चयन के लिए नहीं माना गया। 22 वर्षीय अकीम ऑगस्टे अब तक नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। 19 वर्षीय ज्वेल एंड्रयू ने इस प्रारूप में पांच मैच खेले हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ी शमर स्प्रिंगर छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज शमर जोसेफ, जो निजी कारणों से एकदिवसीय टीम छोड़कर स्वदेश लौट गए थे, उनके टी-20 श्रृंखला से पहले टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है। मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा, "भारत में हुए विश्व कप के बाद यह हमारी पहली टी-20 श्रृंखला है। टीम ने वहाँ जुनून, संघर्ष और एकजुटता दिखाई थी, जो वेस्टइंडीज क्रिकेट की पहचान है। अब हमारा लक्ष्य उसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना और श्रीलंका के खिलाफ मजबूत प्रतिस्पर्धा करना है।" तीनों टी-20 मुकाबले जमैका के सबीना पार्क में 11, 13 और 14 जून को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। इससे पहले श्रीलंका ने एकदिवसीय श्रृंखला 1-0 से जीती थी, जबकि अंतिम दो मुकाबले बारिश के कारण रद्द हो गए थे।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

एजेंसी, न्यू चंडीगढ़

भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है। मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे।

रुतुराज गायकवाड़ का ये रिकार्ड शायद ही कोई तोड़ पाये

एजेंसी, मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी करने वाले बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के नाम लिस्ट ए क्रिकेट में एक ऐसा विश्व रिकॉर्ड दर्ज है, जो न केवल असाधारण है बल्कि जिसे तोड़ पाना लगभग असंभव माना जाता है। साल 2022 में विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान उन्होंने महाराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए उत्तर प्रदेश के खिलाफ एक ही ओवर में लगातार सात छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया था। इसी मैच में गायकवाड़ ने 220 रनों की धुआंधार पारी भी खेली थी, जिसने उनके इस ऐतिहासिक कारनामे को और भी यादगार बना दिया। यह अद्भुत घटना उत्तर प्रदेश के गेंदबाज शिवा सिंह के पारी के 49वें ओवर में घटी। गायकवाड़, जो उस समय तूफानी बल्लेबाजी कर रहे थे, ने उस ओवर की पहली छह गेंदों पर लगातार छह छक्के जड़े। इसके बाद, ओवर की अंतिम गेंद नो-बॉल करार दी गई, और गायकवाड़ ने उस फ्री-हिट का भी पूरा फायदा उठाते हुए उसे भी सीमा रेखा के पार भेज दिया।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है। वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है।

खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के सर्राफा बाजार में सोना आज 950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गई। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत के रिटेल निवेशक विस्तार को खामोशी से रफ्तार दे रहा है राजस्थान : एनएसई

एजेंसी, मुंबई । राजस्थान भले ही बड़े राज्यों की तरह सुर्खियों में न रहता हो, लेकिन यह भारत में नए निवेशकों की संख्या बढ़ाने में लगभग आधी हिस्सेदारी रख रख रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने मंगलवार को आंकड़ों के जरिये बताया कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित शीर्ष राज्यों ने नए निवेशक पंजीकरणों (रजिस्ट्रेशन) में लगभग 49 फीसदी का योगदान दिया है। यह भारत के पूंजी बाजार (कैपिटल मार्केट) के विस्तार की कहानी में राजस्थान के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। राजस्थान में वित्तीय बाजार के निवेशकों की संख्या में यह उछाल जयपुर, जोधपुर और कोटा जैसे अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) जिलों में बढ़ते वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इनक्लूजन) पर टिका हुआ है। पहली बार निवेश करने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), ईटीएफ और डायरेक्ट स्टॉक्स के जरिए इक्विटी मार्केट में कदम रख रही है। राज्य का यह उभार एक व्यापक भौगोलिक विविधीकरण (ज्योग्राफिक डाइवर्सिफिकेशन) को दर्शाता है, जिसमें छोटे राज्य लगातार निवेशक आधार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं।

फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण अपने पिछले अनुमान से 0.3 फीसदी की कटौती की है।

रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को जून की जारी अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर धीमी रह सकती है, लेकिन घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा। फिच रेटिंग्स ने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.4 फीसदी रह जाएगी, जो मार्च के अनुमान से 0.3 फीसदी कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य आधार बनी रहेगी और वास्तविक संदर्भ में आयात कम होने से शुद्ध बाहरी मांग इस वृद्धि में सकारात्मक योगदान देगी। रिपोर्ट के मुताबिक उच्च मुद्रास्फीति और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से वास्तविक आय पर दबाव बढ़ेगा, जिससे उपभोक्ता खर्च प्रभावित होगा। यह प्रभाव विशेष रूप से वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही में ज्यादा दिखाई देगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और इसका असर भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। फिच ने ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत के अनुमान को बढ़ाकर 87 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 70 डॉलर प्रति बैरल था। इसके साथ ही पश्चिम एशिया संकट की वजह से 14 सप्ताह से बंद होर्मुज जलडमरूमध्य के जुलाई तक बंद रहने का ही अनुमान लगाया गया है।

हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस संकट के बावजूद भारत में महंगाई अभी ज्यादा नहीं बढ़ी है, लेकिन इस पर दबाव बढ़ रहा है। अप्रैल में थोक महंगाई दर 8.3 फीसदी और खुदरा महंगाठ दर 3.5 फीसदी रही। फिच रेटिंग ने अनुमान जताया कि साल के अंत तक महंगाई बढ़कर 5.3 फीसदी तक जा सकती है। इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी, आधार प्रभाव और संभावित कमजोर मानसून है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6 फीसदी रखा है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय अर्थव्यस्था 7.7 फीसदी की दर से बढ़ी है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर बना दबाव, ऊपरी स्तर से लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद लिवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कमजोरी आने लगी। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इन दोनों सूचकांकों की बढ़त लगातार घटती चली गई। राहत की बात यही रही कि ये दोनों सूचकांक पहले घंटे के कारोबार में लगातार हरे निशान में ही बने रहे। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट लिमिटेड, इंटरग्लोब एवियशन, आईसीआईसीआई बैंक और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयर 1.96 प्रतिशत से लेकर 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.63 प्रतिशत से लेकर 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,759 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,131 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 628 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर आधारित लोन दर 0.10 फीसदी तक बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। दो साल की अवधि वाले कर्ज पर अब यह दर 8.45 फीसदी से बढ़कर 8.55 फीसदी हो गई है। नई दरें 8 जून से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि बैंक के इस कदम का सीधा असर उन उधारकर्ताओं की ईएमआई पर पड़ेगा, जिनके लोन एमसीएलआर सिस्टम से जुड़े हैं। इसी तरह वाहन, आवास एवं व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों के लिए मानक माना जाने वाला एक वर्षीय एमसीएलआर 0.05 फीसदी बढ़कर अब 8.40 फीसदी हो गया है। इसके अलावा 24 घंटे, तीन महीने, छह महीने और तीन साल की अवधि वाले कर्ज की दरों में भी 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। एमसीएलआर वह आधार दर होती है, जिस पर बैंक अपने अधिकांश कर्जों की ब्याज दर तय करते हैं। इस फैसले का असर ग्राहकों के आवासीय ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋण की मासिक किस्तों पर पड़ सकता है। एचडीएफसी बैंक का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर रेपो रेट में लगातार दूसरी बार कोई बदलाव नहीं किया। फिलहाल रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर बनी हुई है।

असम की मशहूर जीआई टैग तेजपुर लीची की पहली खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई

एजेंसी, नई दिल्ली

असम की भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त प्रसिद्ध तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई है। इस पहल से किसानों को बेहतर बाजार और अच्छे दाम मिलने की उम्मीद है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलने का रास्ता भी मजबूत हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने 7 जून को जीआई-टैग वाली तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप असम से दुबई के लिए रवाना की है। ये उत्तर पूर्वी क्षेत्र के कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच के विस्तार में एक बड़ी उपलब्धि है। मंत्रालय ने बताया कि एक मीट्रिक टन की इस खेप में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग वाली तेजपुर लीची शामिल थी, जो असम के सबसे प्रसिद्ध बागवानी उत्पादों में से एक है। यह लीची अपनी असाधारण मिठास, चमकीले लाल रंग, विशिष्ट सुगंध और उत्कृष्ट स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र में बॉम्बेया, बिलाती, इलायची, पियाजी और साही सहित कई उल्लेखनीय किस्में उगाई जाती हैं, जो अपने विशिष्ट स्वाद और गुणवत्ता के लिए सराही जाती हैं।

फिल्म

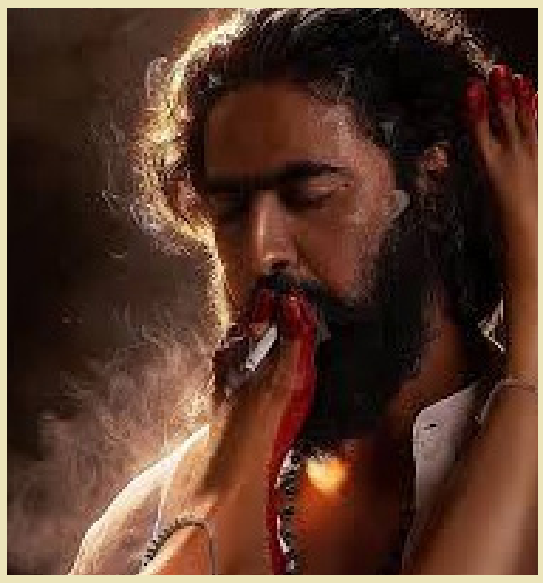

आशीष गांधी अभिनीत फिल्म डैनी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी, फिल्म 26 जून को रिलीज

यह तो सर्वविदित है कि किसी फिल्म के प्रचार में पोस्टर की अहम भूमिका होती है। ऐसा ही एक पोस्टर आजकल खूब चर्चा में है। निर्देशक कल्याण जी गोगना नाटकम्, तीस मार खान और मारियो जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। हाल ही में फिल्म डैनी से निर्देशक के रूप में डेब्यू कर रहे कल्याण जी गोगना की फिल्म आ रही है। आशीष गांधी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक धूम मचा रहा है और हर तरफ इसकी ही चर्चा हो रही है। फिल्म में हीरो फटेहाल कपड़ों में नजर आ रहा है, एक तरफ उसके गले में फूलों की माला है, वहीं दूसरी तरफ लड़की अपने पैरों की उंगलियों से सिगरेट जलाकर पीती हुई दिखाई दे रही है। इसमें कोई शक नहीं कि वेलकम टू लव जंगल टैगलाइन वाली इस फिल्म का यह नया लुक फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता बढ़ाएगा और जबरदस्त क्रेज पैदा करेगा। फिल्म डैनी को गोपाल कृष्ण प्रस्तुत कर रहे हैं और इसका निर्माण रिजवान और खुशी मिलकर रिजवान एंटरटेनमेंट और कल्याण जी गोगना पिक्चर्स के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है। फिल्म 26 जून को रिलीज होने वाली है। राकेंदु मौली ने न सिर्फ गाने लिखे हैं बल्कि संगीत भी दिया है।

विश्वंभर की रिलीज डेट को लेकर उत्साह...10 जुलाई को रिलीज़ करने की योजना

इस संक्रांति पर मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म माना शंकरवर प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उनके प्रशंसकों में उत्सव का माहौल छा गया। सिनेमाघरों में दर्शकों की उत्साह और कमाई ने एक बार फिर चिरंजीवी की लोकप्रियता को साबित कर दिया। इस हिट फिल्म से मिली प्रेरणा के चलते मेगास्टार की अगली फिल्म विश्वंबरा से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। बिम्बिसारा से अपनी अलग पहचान बनाने वाले निर्देशक वशिष्ठ मल्लिदी द्वारा निर्देशित विश्वंबरा एक सामाजिक-काल्पनिक थ्रिलर फिल्म है। घोषणा के दिन से ही इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट स्पष्ट नहीं है, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता और बढ़ गई है। अब तक विश्वंभरा को समर स्पेशल के तौर पर रिलीज़ करने का अभियान चल रहा था। लेकिन ताज़ा जानकारी के अनुसार, फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा है कि यह फिल्म समर रिलीज़ की दौड़ से बाहर हो गई है। बताया जा रहा है कि निर्माताओं को लगता है कि माना शंकरवर प्रसाद गारू की रिलीज़ के तुरंत बाद दूसरी फिल्म लाने से बेहतर है कि कुछ समय का अंतराल रखा जाए। इसीलिए वे फिल्म को समर के बाद 10 जुलाई को रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रिलीज़ में देरी के कारणों पर भी दिलचस्प चर्चा हो रही है। हालांकि रिलीज़ हो चुके टीज़र में काल्पनिक दुनिया दिखाई गई है, लेकिन वीएफएक्स की गुणवत्ता पर कुछ आलोचना हुई है। ऐसा लगता है कि निर्माताओं ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और पोस्ट-प्रोडक्शन के काम के लिए अतिरिक्त समय दे रहे हैं। खबरों के मुताबिक, शीर्ष वीएफएक्स स्टूडियो के सहयोग से फिल्म पर तेजी से काम चल रहा है। दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का दृश्य अनुभव देने के उद्देश्य से हर फ्रेम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फाइनल कॉपी तैयार होने के बाद ही रिलीज की तारीख पर अंतिम फैसला लिया जाएगा, जब चिरंजीवी खुद इसे देखेंगे और संतुष्ट होंगे। इसीलिए लगता है कि निर्माता कोई भी जल्दबाजी वाला फैसला नहीं ले रहे हैं। एक और अच्छी बात यह है कि इस फिल्म में तृषा चिरंजीवी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। दोनों की जोड़ी वाली फिल्म स्टालिन को उस समय अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। साथ ही, ना समीरंगा फेम आशिका रंगनाथ भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। कुणाल कपूर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि ईशा चावला, राम्या पसुपुलेटी, सुरभि और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। विक्रम, वामसी और प्रमोद यूवी क्रिएशन्स बैनर के तहत इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी द्वारा संगीतबद्ध किए जाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

पिंक लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में वामिक गब्बी की तस्वीरों से नजरें हटाना मुश्किल

हाल ही में वामिका गब्बी ने अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें वो बहुत ग्लैमरस लग रही हैं. लहंगे का कलर और उसका अट्रैक्टिव ब्लाउज उन्हें बहुत यूनिक और एलिगेंट बना रहा हैं. इन तस्वीरों पर फैंस भी खूब प्यार बरसा रहे हैं. इसी बीच आइए उनकी तस्वीरें देखते हैं. वामिका गब्बी ने पिंक और गोल्डन शेड का खूबसूरत लहंगा पहना है. लहंगे पर शिमरी फैब्रिक और बारीक एम्ब्रॉयडरी की गई है. उन्होंने डीप नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है, जिस पर हैवी गोल्डन एम्ब्रॉयडरी और मिरर वर्क किया गया है. वामिका ने लहंगे के साथ हल्के पिंक कलर का ट्रांसपेरेंट नेट दुपट्टा ओढ़ा है. दुपट्टे पर खूबसूरत हल्की कढ़ाई की गई है. उन्होंने बालों को सेंटर पार्टिंग के साथ बन बनाया है. सामने की कुछ लटें चेहरे के तरफ आ रही हैं. वामिका का सॉफ्ट ग्लैम मेकअप उन्हें बहुत एलिगेंट बना रही हैं. उन्होंने स्टोन और पर्ल डिटेलिंग वाला चोकर नेकलेस पहना है. इसके साथ मैचिंग झुमके और हाथ में ब्रेसलेट कैरी किया है. वामिका गब्बी का ये लुक बेहद ग्रेसफुल, फेमिनिन और फेस्टिव वाइब्स से भरपूर है, जो किसी भी फंक्शन के लिए परफेक्ट फैशन इंस्पिरेशन है.

ओरी ने शेयर किया खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग सेट से मजेदार वीडियो

हाल ही में अपने सोशल मीडिया स्टोरीज़ पर ओरी ने केपटाउन में चल रही खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग सेट से एक मज़ेदार झलक साझा की है। सुबह करीब 6 बजे शूट किए गए इस वीडियो में ओरी ठंडे मौसम पर प्रतिक्रिया देते नज़र आ रहे हैं। ओरी ने सेट पर पॉप-टार्ट बनाते हुए कैमरे के सामने बार-बार सांस छोड़कर हवा में बन रहे धुएं को दिखाया, जो वहां की कड़ाके की ठंड का अंदाज़ा दे रहा था। वीडियो में ओरी कहते हैं, "ओके गाइज, सुबह के 6 बजे हैं, मैं सेट पर पॉप-टार्ट बना रहा हूं, लेकिन ये देखो।" ये कहने के बाद वे हंसते हुए बार-बार अपनी सांस से बन रहे भाप को दिखाने लगे। हालांकि इस दौरान उन्होंने अपने साथी कंटेस्टेंट मुकुल को भी आवाज़ लगाकर उन्हें यह देखने के लिए बुला लिया। मज़ेदार बात यह भी है कि अपने मस्ती भरे अंदाज़ में ओरी ने अपनी स्टोरी पर "-100000 डिग्री सेल्सियस" लिखकर कैप्शन भी दिया, जो वहां की ठंड को मज़ाकिया तरीके से बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहा है। फिलहाल इस हल्के-फुल्के वीडियो ने साफ कर दिया है कि खतरों के खिलाड़ी 15 के कंटेस्टेंट्स को शूटिंग के दौरान चुनौतीपूर्ण मौसम का भी सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि ओरी खतरों के खिलाड़ी 15 के दमदार कंटेस्टेंट्स में शामिल हैं, जिसकी शूटिंग फिलहाल केप टाउन में हो रही है। एडवेंचर आधारित यह रियलिटी शो हमेशा की तरह इस बार भी खतरनाक स्टंट्स, रोमांचक चुनौतियों और पर्दे के पीछे के दिलचस्प पलों से भरपूर होने वाला है। फिलहाल शूटिंग शुरू होते ही अपने खास सोशल मीडिया अंदाज़ से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे ओरी के फैंस इस एपिसोड का भी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

गौरी से तीसरी शादी पर आमिर खान हो रहे ट्रोल

राखी ने दिया जवाब

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। अभिनेता आगामी 5 जुलाई 2026 को अपनी पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ विवाह बंधन में बंधने जा रहे हैं। साठ वर्ष की उम्र में तीसरी बार शादी करने और जीवनसाथी के रूप में एक हिंदू लड़की को चुनने को लेकर आमिर खान को सोशल मीडिया पर काफी नफरत और आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब ट्रोल्स उन पर लगातार उंगलियां उठा रहे हैं, गुजरे जमाने की दिग्गज और सम्मानित अभिनेत्री राखी गुलजार खुलकर आमिर के समर्थन में आगे आई हैं। एक हालिया इंटरव्यू में राखी गुलजार ने आमिर खान के फैसले का बचाव करते हुए समाज और ट्रोल्स की सोच पर कड़े सवाल उठाए हैं। राखी गुलजार ने कहा कि वे भले ही लंबे समय से फिल्म इंडस्ट्री की चकाचौंध से दूर हैं और उन्होंने आमिर खान के साथ कभी स्क्रीन साझा नहीं की है, लेकिन वे जानती हैं कि आमिर एक बेहद ईमानदार इंसान हैं। राखी ने आमिर की तारीफ करते हुए कहा कि अपनी दोनों पूर्व पत्नियों (रीना दत्ता और किरण राव) के साथ तलाक के बाद भी जिस तरह आमिर ने दोस्ती का रिश्ता बनाए रखा है, वह उनकी परिपक्वता को दर्शाता है। वे तीनों आज भी एक परिवार की तरह रहते हैं, जो बहुत बड़ी बात है। बता दें कि आमिर खान ने खुद इस खबर की पुष्टि की है और वे अक्सर गौरी के लिए अपने प्यार का इजहार करते नजर आते हैं। इससे पहले आमिर ने अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी को दुनिया के सामने अपनी गर्लफ्रेंड के रूप में पेश किया था। हालांकि, अभिनेता की तीसरी शादी की खबरों के सामने आते ही सोशल मीडिया पर ट्रोल्स ने उन्हें निशाना बनाना शुरू कर दिया है, जिससे एक नया विवाद खड़ा हो गया है। आमिर के फैसले को सही ठहराने के लिए राखी गुलजार ने हॉलीवुड सितारों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि 60 साल की उम्र में शादी करने में कुछ भी गलत नहीं है। हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डी नीरो ने दो शादियां कीं और 80 वर्ष की उम्र के बाद भी पिता बने। शादी और जीवन में खुशी कभी भी उम्र के दायरे में नहीं बंधती।

पुरानी परंपराओं को चुनौती देती है 'मां बहन': माधुरी दीक्षित

नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म मां बहन को लेकर बालीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित उत्साहित हैं। इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने कहा, "यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।" अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, "इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें म किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।" 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुषमा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

वर्केशन पर जा रहे हैं? काम और मस्ती के बीच संतुलन बनाए रखने के 5 तरीके

वर्केशन एक ऐसा चलन है, जो काम और आराम को एक साथ मिलाता है। इसमें आप अपने ऑफिस के काम को किसी खूबसूरत जगह पर जाकर भी कर सकते हैं। यह न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपको नए अनुभव और यादें भी देता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने वर्केशन को और भी मजेदार बना सकते हैं और काम के साथ-साथ आराम का भी आनंद ले सकते हैं। वर्केशन की शुरुआत अच्छी योजना बनाकर करें। पहले से तय करें कि कब और कहां जाना है और वहां कितने दिन रुकना है। इसके अलावा यह भी तय करें कि किन दिनों आपको काम करना है और किन दिनों को घूमने-फिरने के लिए रखना है। इससे आपको यह पता रहेगा कि कब काम करना है और कब आराम करना है, जिससे आपका वर्केशन संतुलित रहेगा और आप दोनों का आनंद ले सकेंगे। काम और आराम के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए समय प्रबंधन बहुत जरूरी है। सुबह जल्दी उठकर पहले काम करें और फिर बाकी समय घूमने-फिरने या अन्य गतिविधियों के लिए रखें। इस तरह आप अपने काम को भी पूरा कर पाएंगे और साथ ही आपको घूमने का भी समय मिलेगा। इसके अलावा आप अपने काम के समय को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उसे पूरा करें, ताकि आप बिना किसी तनाव के अपने वर्केशन का आनंद ले सकें।

वर्केशन के दौरान तकनीक का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। अपने कंप्यूटर या मोबाइल फोन का उपयोग करें, ताकि आप ऑफिस के काम को आसानी से कर सकें। इसके अलावा अगर आप किसी ऐसी जगह पर हैं, जहां इंटरनेट की समस्या हो सकती है तो पहले से ही सभी जरूरी कागजात डाउनलोड कर लें, ताकि आपको कोई दिक्कत न हो। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने वर्केशन का आनंद ले सकते हैं। अपने वर्केशन के दौरान स्थानीय संस्कृति को जानने के लिए समय जरूर निकालें। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आपको नए-नए अनुभव भी मिलेंगे। आप स्थानीय बाजार जा सकते हैं, वहां के खाने का स्वाद ले सकते हैं या किसी स्थानीय कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इससे आपका वर्केशन और भी यादगार बनेगा और आपको वहां की संस्कृति का गहरा अनुभव मिलेगा, जिससे आप नई यादें भी बना सकेंगे। वर्केशन अकेले करने के बजाय दोस्तों या परिवार के साथ करें। इससे आपका समय जल्दी बीतेगा और आपको ज्यादा मजा आएगा। साथ ही आप अपने करीबियों के साथ समय बिताकर उनकी कंपनी का आनंद ले सकेंगे। इस तरह आपका वर्केशन न केवल कामकाजी रहेगा, बल्कि दोस्तों और परिवार संग बिताए समय से भरपूर भी होगा। उनसे आप कुछ कामों में मदद भी ले सकते हैं, ताकि काम जल्दी खत्म हो सके।

Times have changed, premarital sex not moral turpitude, says Supreme Court

New Delhi, Agency: Citing the changing times and acknowledging the reality that premarital sex has become common, the Supreme Court has said that being in such a relationship cannot be termed as moral turpitude to draw adverse inferences about a person's character. The authorities must keep in mind this reality and not initiate punitive action on such grounds, it held.

A bench of Justices Manoj Misra and Manmohan came to the rescue of an aspiring police official whose provisional selection in the force was cancelled on the ground that he had been in a physical relationship with a girl, and she had later filed a complaint against him. Though the girl had reached a compromise with him and the matter got settled in Lok Adalat, the Telangana govt said the man stood disqualified as he was involved in an offence involving moral turpitude. Telangana HC also ruled against him, saying he was indicted for an offence involving moral turpitude, and the compounding of the offence (compromise) did not amount to a clean acquittal.

Rejecting the plea of the state government and also the HC's findings, the SC quashed the government's decision and paved the way for the man's recruitment in the force. The court made it clear that engaging in premarital sex could not be a reason to bar the petitioner from the force. It pointed out that the victim herself had decided not to step into the witness box to depose against him.

"Besides, authorities would have to be sensitive to the changing times in the context of premarital relationships. Such premarital relationships are common today.

Moreover, a physical relationship between two consenting unmarried adults cannot and should not by itself be a ground to draw an adverse impression about the character of the person in that relationship. There is no law which prohibits two consenting unmarried adults from having a relationship of their choice" the bench said.

It highlighted that in a relationship which spans a considerable period, the court has time and again quashed criminal proceedings initiated by one party against the other on the ground that the victim was lured into a physical relationship under a false promise of marriage, because there would be a presumption that such a relationship was based on valid consent.

In this case, the petitioner had truthfully revealed that a case had been registered against him and also told the authority that the case was amicably settled in the Lok Adalat. He said that he had been in a consensual relationship, which did not result in marriage, and a case was registered after he married another girl.

The state, however, said police are a disciplined force and "the slightest doubt about the character of a candidate emanating from his past antecedents can be the basis to deny appointment".

Rejecting the state govt's stand, SC said, "Whether the prosecutrix was deceived into entering a relationship, the prosecutrix alone could have disclosed. The public at large cannot tell whether she was deceived by the appellant. In such circumstances, when the prosecutrix chose not to pursue and had led no evidence, rather had expressed her consent to compound the case, there was no occasion for the respondents (state and others) to read between the lines and draw an adverse inference regarding the character of the appellant.

CEA coins 'ease of living' agenda to determine strength of panchayats

New Delhi, Agency: Chief Economic Advisor (CEA) V Anantha Nageswaran on Monday said the 'Ease of Living' agenda was the ground-level counterpart of 'Ease of Doing Business' that could only be determined by how well-equipped and capable panchayats were.He also bated for the Comptroller and Auditor General (CAG) conducting performance audits on the implementation of the 73rd Amendment across all states to evaluate functional, financial, and administrative devolution to Panchayati Raj Institutions (PRIs).

The official was speaking after releasing the Report of the Committee on Datasets for State Finance Commissions.

"It is time we advocate 'Ease of Living' agenda, which is the ground-level counterpart of 'Ease of Doing Business', about which we often speak about in policy circles. If we want to know India's actual economic potential, we need to look beyond the GDP numbers," he said.

"A large population of the country lives in rural areas where the quality of roads, houses, schools, hospitals as well sanitation facilities determine not only the well-being of its populace but also their productivity. Their children are their human capital, ultimately reflecting the trajectory of India's development itself," he added.

Nageswaran noted that weak and fragmented data systems at the gram panchayat-level have left State Finance Commission (SFC) reports too weak to guide recommendations, with the 16th Finance Commission unable to rely on them while framing its recommendations.

Finance Commission transfers to rural local bodies form a key part of India's fiscal decentralisation framework, helping fund basic services such as drinking water, roads, sanitation and anganwadis in villages.

The CEA emphasised that the quality of decisions on resource allocation was directly determined by the quality of data and analysis available, and described the report as an important step towards strengthening the information architecture for local governance.

Panchayat Secretary Vivek Bharadwaj emphasised upon the need for greater coordination between the State Finance Commissions (SFCs) and Central Finance Commissions.

He stated that reliable and accessible data was fundamental to improving the quality and timeliness of SFC recommendations.

"Strengthening the data ecosystem for local governments will enable evidence-based decision-making and enhance the effectiveness of fiscal devolution to Panchayati Raj institutions," he said.

Bharadwaj highlighted two key outcomes of the ministry's sustained engagement with the 16th Finance Commission.

He said, "Recognising the governance needs of India's rapidly expanding peri-urban areas, the commission has proposed an Urbanisation Premium of Rs 10,000 crore to support local bodies managing the transition of census towns into urban entities."

Several Indian workers killed in road accident in Dubai: Officials

New Delhi, Agency: Several Indian workers were killed on Monday when a minibus collided with a truck that had stopped in the middle of a road in Dubai, the authorities said.

"Deeply saddened by the tragic road accident in Dubai that claimed the lives of several Indian workers," the Indian Consulate in Dubai said in a post on X. The mission said that it is working closely with local authorities to provide all possible assistance and support. Brigadier Juma Salem bin Suwaidan, Director of the General Department of Traffic at Dubai Police, said that preliminary investigations showed the truck had stopped suddenly in the middle of the Emirates Road due to a technical fault.

"The bus driver, who allegedly failed to pay attention and keep a safe distance, then rammed into the truck from behind," he said in a statement.

"The accident resulted in seven fatalities and nine injuries, including five serious and four moderate injuries. All injured were transported to the hospital," he added.

The officials from the Indian mission visited the hospital and met the injured Indians.

"Our heartfelt condolences and prayers are with the grieving families during this difficult time," the mission said.Brigadier Juma Salem said that experts from the Traffic Accident Investigation Section were dispatched to the scene to inspect and gather precise evidence to determine the exact causes of the crash.

TMC vs TMC intensifies: Mamata camp brands rebel MPs 'traitors'; Kakoli Ghosh says 'jhukega nahi

New Delhi, Agency: Trinamool Congress MP Kalyan Banerjee on Tuesday launched a fierce attack on the rebel faction led by Kakoli Ghosh Dastidar, describing its members as "desperate" and accusing them of betraying party supremo Mamata Banerjee. He also targeted the BJP, alleging that it was attempting to weaken the Mamata Banerjee-led party. Addressing a presser, Kalyan Banerjee asserted that the rebel camp lacks the numbers needed to comfortably overcome the provisions of the anti-defection law. He further branded the dissidents as "gaddar" and accused them of being "desperate for power. His remarks came after rebel TMC leader Kakoli Ghosh Dastidar delivered a defiant response to the party leadership. "Mera sar katega lekin jhukega nahi... Maine bohot seh liya. I did not come here after Mamata Banerjee became chief minister in 2011; I have been fighting here for 40 years. And as I said, the words of such people have absolutely no effect on me. She also sought to frame the rebellion as a larger cause beyond party politics. "We will find out what happens later. For now, isn't it enough that we want to work for Bengal, for the country, and to keep India secure? This is a crucial issue.

India a partner, not rival China calls for stronger ties

New Delhi, Agency: China on Monday described India as a "cooperation partner, not a competition rival" and said the two countries should view each other's rise as an opportunity rather than a threat, even as it voiced support for stronger engagement among China, India and Russia.

Responding to remarks by Russian President Vladimir Putin that India and China were working to resolve outstanding issues, including the boundary dispute, Chinese Foreign Ministry spokesperson Lin Jian said maintaining stable ties among the three major Eurasian powers was in their collective interest and beneficial for global stability.

"China, Russia and India are all emerging economies. Maintaining sound relations is not only in the respective interests of the three countries but also conducive to regional and global peace, security, stability and prosperity," Lin said.

In a significant articulation of Beijing's current approach towards New Delhi, Lin said the situation along the India-China border was "generally stable" and that communication channels between the two sides remained smooth.

"China and India need to have the right strategic perception that the two countries are cooperation partners, not competition rivals, and are opportunities, not threat, for each other's development," he said.

The spokesperson said both countries should handle bilateral ties from a long-term strategic perspective, deepen mutual trust, expand cooperation and properly manage differences to ensure the steady development of relations.

The remarks come amid a gradual improvement in India-China ties following efforts by both sides to stabilise the relationship after the prolonged military standoff along the Line of Actual Control (LAC) in eastern Ladakh.

On India-Pakistan relations, Lin reiterated Beijing's longstanding position, saying China supported the two countries in resolving differences through dialogue and consultation and in jointly maintaining regional peace and stability. Separately, Chinese Ambassador to India Xu Feihong voiced support for dialogue between India and Pakistan, saying the two neighbours should work towards resolving their differences through consultation.

UP cops prevent suicide in 8 minutes after Meta alert over Instagram post

New Delhi, Agency: A 25-year-old man's life was saved after Meerut Police acted on a suicide alert received from Meta following an Instagram post, reaching him within eight minutes and getting him admitted to a hospital, officials said.

The incident came to light under the coordination mechanism between the Uttar Pradesh Police and Meta, which flags posts indicating possible self-harm and shares alerts with authorities.

According to a police statement issued on Monday, the youth, a resident of Sardhana area in Meerut, had posted a video on Instagram on June 7 in which he appeared to be consuming a white-coloured liquid. The video carried the message, "Ab tum khush rehna apni life mein (Now you stay happy in your life)".

Police said Meta sent a suicide alert regarding the post to the Social Media Centre at the police headquarters at 6.53 pm. Acting on the directions of the Director General of Police, the centre immediately informed Meerut Police based on the available mobile number and location details.

Under the supervision of the Senior Superintendent of Police, Sardhana police reached the youth's residence and found his condition critical.

A bottle containing a suspected liquid substance was also found near him, officials said.

Police personnel, with the help of family members, rushed him to a nearby hospital where his condition improved after treatment.

During questioning, the youth said he was under stress and depression following the end of a relationship, which led him to attempt the extreme step.

Police said counselling was provided to the youth and his family members and necessary guidance was given.

Piyush Goyal hails export of Assam's GI-tagged Tezpur litchis to Dubai

New Delhi, Agency: Union Minister Piyush Goyal has welcomed the export of Assam's Geographical Indication (GI)-tagged Tezpur litchis to international markets, saying the move would help farmers secure better returns and open new avenues for agricultural products from Northeast India.

In a post on X, Goyal said, "Assam's renowned GI-tagged Tezpur litchi is now spreading its sweetness in foreign markets. With the support of APEDA, the first export shipment of Tezpur litchi has departed for Dubai. This step will give the region's litchi global recognition, provide farmers with better prices, and create new opportunities for agricultural products from Northeast India."

The export coincided with the centenary celebrations of litchi cultivation in Tezpur, which commenced on Sunday. The two-day Tezpur Litchi Festival 2026, organised by the Sonitpur district administration, recently concluded at the District Library in Tezpur, highlighting the century-long legacy of the GI-tagged fruit.

This year's Bombay variety of Tezpur litchi was sold at prices ranging from Rs 40 to Rs 50 each, with total sales at the festival venue exceeding Rs 4 lakh in a single day.

The history of litchi cultivation in Tezpur dates back to 1923, when Padmanath Gohain Baruah, the first president of the Assam Sahitya Sabha and the first Assamese chairman of the Tezpur Municipality, established litchi orchards as part of a pond restoration scheme. This initiative laid the foundation for the region's century-old litchi-growing tradition.

During the festival, one tonne of various litchi varieties was exported to Dubai, while approximately 600 kg were shipped to Singapore.

Sonitpur District Commissioner Anand Kumar Das inaugurated the consignments in the presence of Tezpur MLA Prithviraj Rabha, District Agriculture Officer Pradeep Kumar Talukdar, Sadar Agriculture Officer Zakir Hussain and other dignitaries.

The Tezpur Litchi Festival opened on 6 June with export announcements for Dubai and Singapore. The event underscored efforts to expand markets, promote processing and strengthen the GI-tagged fruit's profile.

ED busts Cambodia-linked SIM racket; 5,300 cards used to dupe Indians

New Delhi, Agency: Analysis of around 2.3 lakh numbers have showed that about 36,000 SIM cards were active in Cambodia, out of which nearly 5,300 were involved in committing cyberfrauds across India to the tune of hundreds of crores, according to an Enforcement Directorate (ED) probe.

The ED had conducted search operations at seven premises across Kishangarh (Ajmer), Nagaur and Jodhpur in Rajasthan and Ludhiana (Punjab) on June 5 under the provisions of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), 2002, in connection with a cyberfraud by a Malaysian national.

It is alleged that Indian mobile numbers were fraudulently activated by the point of sale (POS) vendors and supplied to the accused, who subsequently operated from Cambodia for committing cyberfrauds in India.

Trinamool implodes, 20 LS MPs look to join NDA

New Delhi, Agency: An embattled Mamata Banerjee stood further cornered on Monday as the Trinamool Congress appeared to be headed for a split in Parliament after the rebel camp claimed 20 Lok Sabha MPs will break away and support the BJP-led National Democratic Alliance in the Lower House.

Leader of the dissident camp Kakoli Ghosh Dastidar, a four-term MP from Barasat, said "20 MPs will write to Speaker Om Birla expressing a desire to be part of the NDA". This could mean either a merger with the BJP parliamentary party along the lines of Aam Aadmi Party MPs in the Rajya Sabha recently or recognition as a separate faction backing the NDA. The latter is a more probable scenario with the BJP's Bengal unit not keen on merging with the TMC ranks, whom they recently fought and defeated in the state.

If this formalises, the strength of the NDA in the Lok Sabha will rise from 293 MPs to 313. This will have implications for the future of key Bills the government wants to table apart from political stability of the BJP-led dispensation, which is currently dependent on the JD(U) and the TDP for a majority in the House.

\Speaking to The Tribune, Kakoli said, "Nearly 20 TMC MPs, along with me, have decided to write to Speaker Om Birla and formally convey our desire to be part of the NDA."

She said the decision came after extensive discussions among fellow MPs. "As of now, I remain the chief whip of the TMC in the Lok Sabha, and in that capacity I have consulted colleagues before arriving at this decision. My removal (by Mamata Banerjee who named Kalyan Banerjee the chief whip) was arbitrary and unilateral. The party chairperson may have announced my replacement from the post, but that does not alter the constitutional and parliamentary position overnight," Kakoli said.

Asked why they were breaking away after years in the TMC, Kakoli (67) said, "We have accepted the people's verdict and believe that our future political course should be aligned with the NDA.

Accordingly, we will be communicating our decision to the Speaker. We want to be part of the NDA."

Importantly, Kakoli Ghosh, a doctor by profession, is a product of the same RG Kar Medical College in Kolkata which was at the centre of a storm caused by the rape and murder of a 31-year-old postgraduate trainee doctor on August 9, 2024.

For being recognised as a separate faction, more than two-thirds (19) of MPs must split from the parent party, which has 28 MPs in the Lok Sabha.